RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्ष-10 | अंक-296 | जयपुर, शनिवार, 25 अप्रैल 2026 | मूल्य-4 रुपये

आम आदमी पार्टी को फिर बड़ा घटका...

राघव चड्ढा सात सांसदों के साथ भाजपा में शामिल

राघव चड्ढा बोले- आम आदमी पार्टी अपने मूल सिद्धांतों से भटक गई

नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के 10 राज्यसभा सांसदों में से 7 सांसदों ने पार्टी छोड़ दी है। इसका ऐलान पंजाब से राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने शुक्रवार शाम को 4 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया। इसके बाद वह भाजपा कार्यालय पहुंचे, जहां राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने राघव के साथ संदीप पाठक और अशोक मित्तल को पार्टी की सदस्यता दिलाई।

राघव ने बताया कि राज्यसभा सांसद संदीप पाठक और अशोक कुमार मित्तल के अलावा हरभजन सिंह, विक्रमजीत सिंह साहनी, स्वाति मालीवाल, राजेंदर गुप्ता भी हमारे साथ हैं।

दिल्ली के कॉन्स्टीच्यूशन क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल ने पार्टी छोड़ने की घोषणा के साथ भाजपा में विलय करने की घोषणा की। राघव चड्ढा ने दावा किया कि राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के 10 सदस्य हैं, जिनमें से दो-तिहाई से ज़्यादा सदस्यों ने सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए। आज सुबह सभी 7 सदस्यों के हस्ताक्षरित पत्र व दस्तावेज राज्यसभा सभापति को सौंपे गए हैं। उनमें से तीन आपके सामने यहां मौजूद हैं। इनके अलावा हरभजन सिंह, राजिंदर गुप्ता, विक्रम साहनी व स्वाति मालीवाल भी हैं।

चड्ढा ने कहा आप कई सालों से मुझसे पूछते रहे कि मैं आम आदमी पार्टी की गतिविधियों में हिस्सा क्यों नहीं ले रहा था और उससे दूर क्यों दिख रहा था। उस समय मैंने कुछ नहीं कहा और हालात बेहतर होने का इंतज़ार करता रहा। लेकिन आज मैं इसकी असली वजह बताना चाहता हूँ, मैं उनके 'गुनाहों' में शामिल नहीं होना चाहता था। मैं उनकी दोस्ती के लायक नहीं था क्योंकि मैं उनके गलत कामों में भागीदार नहीं बना।

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि जिस पार्टी को उन्होंने खून-पसीने से सींचा, वह अपने मूल सिद्धांतों से भटक गई है। अब यह पार्टी देशहित में काम नहीं कर रही बल्कि अपने निजी स्वार्थों के लिए काम कर रही है। पिछले कुछ वर्षों से मुझे महसूस हो रहा था कि मैं गलत पार्टी में सही इनसान हूं इसलिए आज मैं घोषणा करता हूं कि मैं आम आदमी पार्टी से दूरी बना रहा हूं और जनता के करीब जा रहा हूं।

राघव चड्ढा के दावों के मुताबिक सात राज्यसभा सदस्यों के भाजपा में शामिल होने की घोषणा के बाद आआपा के पास अब उच्च सदन में केवल 3 प्रतिनिधि रह गए हैं। जिसमें संजय सिंह, एनडी गुप्ता और बलबीर सिंह सिचेवाल शामिल हैं।

दलबदल विरोधी कानून के तहत यदि किसी पार्टी के दो-तिहाई या उससे अधिक सांसद या विधायक एक साथ पार्टी छोड़ते हैं तो उनकी सदस्यता रद्द नहीं होती है। यह प्रावधान संविधान की दसवीं अनुसूची के अंतर्गत आता है। राज्यसभा में भाजपा के 106 सदस्य हैं। आम आदमी पार्टी के सात सदस्यों के विलय के बाद यह संख्या 113 हो जाएगी। आआपा ने इसी माह 2 अप्रैल को राघव चड्ढा को राज्यसभा में पार्टी के उपनेता पद से हटाते हुए सदन में उनके बोलने पर भी रोक लगा दी थी। उनके स्थान पर पार्टी ने सांसद अशोक मित्तल को राज्यसभा में पार्टी के उपनेता पद की जिम्मेदारी सौंपी थी। इसी कार्रवाई से उठा तूफान पार्टी में बड़ी टूट का कारण बना है।

आम आदमी पार्टी ने भाजपा पर लगाया ऑपरेशन लोटस का आरोप

राघव चड्ढा की प्रेस कॉन्फ्रेंस के तुरंत बाद आप नेता संजय सिंह ने भी प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा- अमित शाह और मोदी का ऑपरेशन लोटस घटिया राजनीति का खेल बड़े पैमाने पर शुरू हो गया है। संजय बोले- पंजाब सरकार जो अच्छे काम करती है, दलित आदिवासी महिलाओं के खाते में मदद पहुंचाने का काम करती है। ऐसा बेहतरीन काम करने वाली आम आदमी पार्टी सरकार को अमित शाह मोदी ने रोकने और तोड़ने का काम किया है। पंजाब की जनता को धोखा दिया है।संजय बोले- ये सात नाम जनता को याद रखने चाहिए। आप बताएं राघव को पार्टी ने क्या-क्या नहीं दिया। पंजाब की जनता ने राज्यसभा में पहुंचाया। आप भाजपा की गोद में पहुंच गए। संदीप को पंजाब की जनता के प्यार से राज्य सभा में जाने का मौका मिला।संजय सिंह ने कहा- राजिंदर गुप्ता का इतिहास उठाकर देखिए। साहनी, अशोक मित्तल... इन सबको स्वाति मालीवाल, इन सबको आम आदमी पार्टी ने जमीन से उठाकर संसद के अंदर पहुंचाने का काम किया। लेकिन इन सातों लोगों ने पंजाब की जनता की पीठ में छुरा मारा है। धोखा दिया है। पंजाब की सरकार जो जनता के लिए काम कर रही थी। उसे रोकने का काम किया है। संजय बोले- मैं मोदी-शाह से कहना चाहता हूं कि जो ये घिनौना खेल आपने पंजाब की जनता और आम आदमी पार्टी के साथ खेला है।

सीजेआई बोले- बंगाल का वोटर टर्नआउट देखकर बहुत खुश हूं

चुनाव कर्मियों के नाम वोटर लिस्ट से कटने के आरोप पर अहम टिप्पणी

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उन याचिकाओं पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है, जिनमें पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के दौरान चुनाव ड्यूटी पर तैनात कुछ लोगों के नाम वोटर लिस्ट से कथित तौर पर हटाए जाने के मामले में कोर्ट के दखल की मांग की गई थी। याचिकाकर्ताओं की तरफ से पेश वकील ने सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच को बताया कि जो लोग चुनाव करवा रहे हैं, वे भी वोट नहीं डाल पा रहे हैं। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 92 प्रतिशत मतदान पर खुशी व्यक्त की है।

याचिकाकर्ता की दलील पर सीजेआई ने कहा, कृपया इस समस्या को अपीलीय ट्रिब्यूनल के सामने उठाएं। हम हर रोज अपने आदेश नहीं बदल सकते। पीठ में शामिल जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने इस मामले पर टिप्पणी करते हुए कहा कि चाहे वे इस साल वोट डाल पाएं या नहीं, वोटर लिस्ट में उनका नाम बने रहने के अधिक अहम अधिकार की कोर्ट द्वारा जांच की जाएगी। मामले में वकील ने तर्क दिया कि, 'चुनाव ड्यूटी के लिए जारी आदेश में ईपीआईसी (मतदाता फोटो पहचान पत्र) नंबर का उल्लेख था, जिसे बाद में हटा दिया गया। अब, चुनाव ड्यूटी पर तैनात लोग वोट नहीं दे सकते। यह स्पष्ट रूप से मनमाना है।'

कोर्ट ने कहा, 'ज्यादातर मुद्दों पर हमने 13 अप्रैल के अपने आदेश में विस्तार से बात की है। हम समझ सकते हैं कि रोजमर्रा के आधार पर मुद्दे उठ सकते हैं। हम याचिकाकर्ताओं और अन्य संबंधित पक्षों को यह छूट देते हैं कि वे प्रशासनिक पक्ष पर कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से संपर्क कर सकते हैं। इसी तरह, अगर मामलों में न्यायिक दखल की जरूरत है, तो वे हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से संपर्क कर सकते हैं।

पेटीएम पेमेंट्स बैंक लाइसेंस आरबीआई ने रद्द किया

मुंबई। पेटीएम पेमेंट्स बैंक का कामकाज आज 24 अप्रैल से पूरी तरह बंद कर दिया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड का बैंकिंग लाइसेंस तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। आरबीआई ने कहा कि बैंक के कामकाज से ग्राहकों का पैसा सुरक्षित नहीं था। हालांकि, UPI एप पहले की तरह चलता रहेगा। आरबीआई ने कहा है कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक के पास इतनी नकदी है कि बैंक बंद होने की प्रक्रिया के दौरान वह अपने सभी ग्राहकों की जमा राशि वापस कर सकता है। इसका मतलब यह है कि जमाकर्ताओं का पैसा डूबने की संभावना नहीं है।

16 शहरों का पारा 42 पार, बाड़मेर 44 डिग्री पहुंचा

आगामी 3-4 दिन पश्चिमी व उत्तर-पूर्वी भागों में हीटवेव दर्ज होने की संभावना

जयपुर

प्रदेश में आसमान से अब आग बरसने लगी है। प्रदेश के 16 शहरों का पारा 42 डिग्री के पार दर्ज किया गया। पाली को छोड़ दे तो बाकी शहरों का रात का पारा 20 डिग्री के पार दर्ज किया गया। 44 डिग्री के साथ बाड़मेर का दिन व 31 डिग्री के साथ संगरिया की रात सबसे गर्म रही। बीकानेर, चूरू, श्रीगंगानगर का दिन का पारा 44 डिग्री के नजदीक पहुंच गया। आगामी समय में पारे में और उछाल आने की संभावना है। जयपुर का पारा भी 42 डिग्री के नजदीक पहुंच गया और रात का पारा 28 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि राज्य के अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान 40 से 43 डिग्री दर्ज किए गए हैं।

राज्य के कुछ भागों में आगामी दिनों में अधिकतम तापमान में और 1-2 डिग्री सेल्सियस बढ़ोतरी होने व आगामी 3-4 दिन पश्चिमी व उत्तर-पूर्वी भागों में कहीं-कहीं हीटवेव दर्ज होने की संभावना है।

आगामी दिनों में एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 25 अप्रैल को पश्चिमी राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों व 26 से 28 अप्रैल को पश्चिमी व उत्तरी भागों में दोपहर बाद मेघगर्जन के साथ कहीं धूलभरी आंधी व हल्की बूंदाबांदी/हल्की बारिश की संभावना है।

मणिपुर के उखरुल में फायरिंग से 3 की मौत

मिलिटेंट्स ने कई घर जलाए, नगा-कुकी समुदाय में तनाव

इंफाल

मणिपुर के उखरुल जिले में शुक्रवार सुबह दो अलग-अलग फायरिंग घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई। मुल्लम गांव के पास सुरक्षाबलों ने करीब 11:25 बजे दो शव बरामद किए। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, दोनों आर्मी प्रिंट कपड़ों में थे। उनके शरीर पर गोली के निशान मिले हैं। दूसरी घटना सिनाकेइथेई गांव की है, जहां 29 साल के एच. जमांग नाम के युवक को हमलावरों ने घात लगाकर मार डाला। अधिकारियों ने शव बरामद कर लिया है। कुकी संगठनों ने आरोप लगाया कि नगा मिलिटेंट्स ने सुबह करीब 5:30 बजे उनके गांवों पर हमला किया।

इसमें गांव के वॉलंटियर्स मारे गए और महिलाओं-बच्चों सहित कई लोग घायल हुए। हमलावरों ने फायरिंग के साथ कई घरों में आग भी लगा दी। हालांकि नगा संगठनों ने आरोपों को बेबुनियाद बताया है। दोनों समुदायों के बीच तनाव का माहौल है।

बड़े स्तर पर आंदोलन की तैयारी

लगातार बंद के कारण आर्थिक दबाव भी बढ़ रहा है। ख्वैरामबंद इमा मार्केट में कुछ महिला विक्रेता दुकानें खोलने को मजबूर हुई हैं। अनीता लौरेंबम ने कहा कि इसका मतलब यह नहीं कि वे आंदोलन के खिलाफ हैं। वे इस काम के बाद आंदोलन में शामिल होंगी। - नागरिक संगठन 'कोऑर्डिनेटिंग कमेटी ऑन मणिपुर इंटीग्रिटी' ने 25 अप्रैल को बड़े स्तर पर आंदोलन की घोषणा की है।

सुप्रीम कोर्ट ने सात महीने प्रेग्नेंट नाबालिग को अबॉर्शन की इजाजत दी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अपने एक अहम फैसले में सात महीने से ज्यादा समय से प्रेग्नेंट 15 साल की नाबालिग लड़की को मेडिकल टर्मिनेशन की इजाजत दी। लड़की ने साफ तौर पर कहा था कि वह प्रेग्नेंसी जारी नहीं रखना चाहती। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने कहा, 'यह जन्म लेने वाले बच्चे का सवाल नहीं है। जरूरी यह है कि महिला क्या चाहती है। बच्चे को जन्म नहीं देना चाहती तो उसे मजबूर नहीं किया जा सकता। भले ही बच्चे को जन्म के बाद गोद देने का ऑप्शन मौजूद हो।'

स्कूल जा रही नाबालिग को किडनैप कर गैंगरेप

ग्रामीणों से गुस्साए ग्रामीणों ने गाड़ी जलाई

अलवर

अलवर में 15 साल की नाबालिग के साथ गैंगरेप का मामला सामले आया है। तीन युवकों पर गैंगरेप का आरोप है। इसमें दो युवकों पर नामजद मुकदमा दर्ज करवाया है। इनकी पुलिस तलाश कर रही है।

रिपोर्ट में पीड़िता के भाई ने बताया- मेरी बहन एक सरकारी स्कूल की 11वीं क्लास में पढ़ती है। जो गुरुवार सुबह 8 बजे घर से स्कूल के लिए निकली थी। रास्ते में एक कार में दो युवक आए। मुंह बांधकर आंखों पर पट्टी लगाकर सुनसान जगह एक कमरे कमरे में ले गए। रास्ते से एक युवक को भी साथ लिया। तीनों आरापियों ने नाबालिग के साथ बारी-बारी से गैंगरेप किया। इसके बाद वीडियो भी रिकॉर्ड कर लिए। इन्हें वायरल करने की धमकी भी दी। किसी को बताने पर भाई को जान से मारने की धमकी दी। दोपहर करीब 1 बजे आरोपी नाबालिग को छोड़ने गांव के पास आए तो लोग पहले से मौजूद थे। नाबालिग के परिवार वाले भी मौजूद थे। इनको देखकर आरोपी गाड़ी छोड़ मौके से फरार हो गए।

इसके बाद गुस्साए ग्रामीणों ने कार को मौके पर ही आग लगा दी। आरोपियों के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जली हुई कार को थाने पर भिजवाया। आरोपी की तलाश में जुटी है।

थाने के एसएचओ ने बताया- पीड़िता के भाई ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई की उसकी बहन का अपहरण करके ले गए और उसके साथ गैंगरेप किया जिसपर मामला दर्ज कर लिया है।

अब आसान होगा बिजली कनेक्शन- राज्य सरकार ने जारी की अधिसूचना

एक एमवीए तक स्व-प्रमाणीकरण की सुविधा

जयपुर

राज्य सरकार ने बिजली कनेक्शन और उत्पादन इकाइयों से जुड़ी प्रक्रियाओं को सरल बनाते हुए बड़ा फैसला किया है। अब एक एमवीए तक की उत्पादन इकाइयों के लिए विद्युत निरीक्षक से अनिवार्य जांच की जरूरत नहीं होगी। उपभोक्ता स्वयं ही अपने प्लांट का सुरक्षा मानकों के अनुरूप होने का स्व-प्रमाणीकरण कर सकेंगे। यह नई व्यवस्था केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के 2023 के विनियमों के तहत लागू की गई है और इसका उद्देश्य 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ावा देना है।

ऊर्जा विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार सोलर, पवन सहित सभी नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से जुड़ी एक एमवीए तक की इकाइयों को इस सुविधा का लाभ मिलेगा।

उपभोक्ता, परिसर का मालिक या आपूर्तिकर्ता स्वयं प्रमाणित कर सकेंगे कि उनका विद्युत संयंत्र निर्धारित सुरक्षा मानकों पर खरा उतरता है। हालांकि इच्छुक उपभोक्ता विभागीय पोर्टल के माध्यम से विद्युत निरीक्षक से जांच भी करवा सकते हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है किसी भी विद्युत प्रतिष्ठान को तब तक कनेक्शन नहीं दिया जाएगा, जब तक स्व-प्रमाण पत्र या विद्युत निरीक्षक का प्रमाण पत्र विभागीय पोर्टल पर अपलोड नहीं किया जाता। एक एमवीए से अधिक क्षमता वाली इकाइयों के लिए अब भी निरीक्षक से प्रमाणन अनिवार्य रहेगा। इसी तरह 33 केवी तक के बिजली कनेक्शनों के लिए भी स्व-प्रमाणीकरण की सुविधा दी गई है। यानी अब उपभोक्ता अपने प्रतिष्ठान की विद्युत फिटिंग को स्वयं प्रमाणित कर सकेंगे।

विधानसभा को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी

जयपुर

राजस्थान विधानसभा को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली। विधानसभा के ऑफिशियल मेल पर मिल धमकी के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने अलर्ट जारी कर परिसर में जांच शुरू की। अधिकारियों और कर्मचारियों को विधानसभा परिसर से बाहर निकाला गया है। करीब 3 घंटे चले सर्च ऑपरेशन में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। धमकी बड़ा मेल आज सुबह 9:15 बजे राजस्थान विधानसभा की ऑफिशल मेल आईडी पर आया था। मेल में लिखा था- 'राजस्थान विधानसभा में ठीक दोपहर 1 बजे आत्मघाती धमाका। सभी मुस्लमानों को बाहर निकालें।' इसके बाद बम निरोधक दस्ता सहित सुरक्षा एजेंसियों की टीम विधानसभा पहुंची। विधानसभा को खाली करवाकर सर्च किया गया। करीब 3 घंटे तक कोने-कोने तक छानबीन की गई लकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इसके बाद अधिकारियों और कर्मचारियों को अंदर प्रवेश दिया गया।

दमदम की रैली में टीएमसी पर जमकर बरसे पीएम मोदी

बुझने से पहले फड़फड़ा रहा है टीएमसी का दीया

बंगाल का गौरव लौटाने के लिए तृणमूल से आजादी जरूरी

कोलकाता

पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के दमदम में रैली की। उन्होंने कहा कि टीएमसी का दिया बुझने वाला है। बुझता दिया फड़फड़ाता है। बंगाल में परिवर्तन की लहर है। पहले चरण की वोटिंग ने इस पर मुहर लगा दी है।

पीएम मोदी ने कहा कि कल भाजपा के पक्ष में जो समर्थन दिखा है, उसने भाजपा की विजय का शंखनाद कर दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बंगाल का गौरव फिर से लौटाने के लिए, बंगाल को फिर से अवसरों की भूमि बनाने के लिए तृणमूल कांग्रेस के भय, भ्रष्टाचार, सिंडिकेट, पलायन, बेरोजगारी और बेकारी और घुसपैठियों, बेटियों पर अत्याचार से आजादी बहुत जरूरी है। प्रधानमंत्री ने टीएमसी पर तगड़ा हमला करते हुए कहा बंगाल में टीएमसी ने लोकतंत्र के मंदिर को कुचल दिया था। पहले चरण के मतदान में जनता ने लोकतंत्र के मंदिर का पुनर्निमाण कर दिया है और दूसरे चरण में इस मंदिर पर विजय ध्वज फहराना है। पीएम मोदी ने कहा कि टीएमसी का दीया बुझने से पहले फड़फड़ा रहा है। 4 मई को नतीजे आने के बाद टीएमसी के गुंडों को बंगाल में छुपने की जगह नहीं मिलेगी।

महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना हमारा लक्ष्य

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम चाहते हैं कि हर योजना में महिलाओं की भागीदारी बढ़े। लेकिन कुछ दिन पहले संसद में टीएमसी और उसके सहयोगियों ने महिला आरक्षण का विरोध किया। देश चाहता है कि राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़े, लेकिन टीएमसी ऐसा नहीं चाहती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले 15 साल में टीएमसी सरकार ने बंगाल की पहचान को खत्म कर दिया है। यहां घुसपैठियों को लाकर बसाया जा रहा है। वे बंगाल की जमीन पर कब्जा कर रहे हैं। स्थानीय लोगों की रोजी-रोटी छीन रहे हैं।

ईरानी विदेश मंत्री इस्लामाबाद पहुंचे, पाकिस्तानी अधिकारियों से बैठक करेंगे अराघची

अमेरिका से कुशनर और विटकॉफ भी पहुंचे

वॉशिंगटन डीसी

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची शुक्रवार देर शाम स्लामाबाद पहुंच गए। वे वहां पाकिस्तानी अधिकारियों से बातचीत करेंगे। यह बैठक अमेरिका और ईरान के बीच संभावित वार्ता की तैयारी के तौर पर देखी जा रही है। वहीं, अमेरिका से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और दामाद जेरेड कुशनर भी पाकिस्तान के लिए रवाना हो गए हैं।

इससे पहले अराघची ने आज दोपहर पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार से अलग-अलग बातचीत की। इसमें अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर बनाए रखने पर चर्चा हुई।

पाकिस्तान इस पूरे मामले में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है और उसे उम्मीद है कि इस बैठक के बाद अमेरिका और ईरान के बीच दूसरे दौर की बातचीत का रास्ता खुल सकता है।

ईरानी मीडिया के अनुसार, पाकिस्तान के बाद अराघची ओमान की राजधानी मस्कट और फिर रूस जाएंगे। फिलहाल इस पूरे मामले पर अमेरिका और ईरान दोनों की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

वसुंधरा राजे के नाम पर फर्जी लेटर और वीडियो मामले में 4 आरोपी गिरफ्तार

-भोपाल और मोहाली से पकड़े गए आरोपी जयपुर लाए गए

जयपुर(एजेंसी)। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के नाम से फर्जी लेटर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से तैयार वीडियो वायरल करने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों को मध्यप्रदेश और पंजाब से पकड़कर जयपुर लाया गया है। डीसीपी साउथ राजश्री राज ने मीडिया को बताया कि ज्योति नगर थाना पुलिस ने निखिल, बिलाल खान और इनाम अहमद को भोपाल से गिरफ्तार किया, जबकि अमृता धुमाल को मोहाली से हिरासत में लिया गया। चारों आरोपियों को बुधवार को जयपुर लाया गया, जहां उनसे पूछताछ जारी है। उन्होंने बताया कि जांच में सामने आया है कि पूर्व मुख्यमंत्री के नाम से संघ प्रमुख मोहन भागवत को संबोधित एक फर्जी पत्र तैयार किया गया था। इस पत्र को सोशल मीडिया पर वायरल करने के लिए एआई तकनीक की मदद से वीडियो का रूप भी दिया गया, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा हुई। यह कार्रवाई पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के निर्देश पर की गई। पुलिस अब चारों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर पुलिस कस्टडी की मांग करेगी, ताकि गहन पूछताछ के जरिए पूरे नेटवर्क और साजिश का खुलासा किया जा सके। अधिकारियों के अनुसार, इस मामले में और लोगों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। इससे पहले जांच में मध्यप्रदेश कनेक्शन सामने आने पर भोपाल पुलिस ने कांग्रेस आईटी सेल से जुड़े कुछ कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया था। इस कार्रवाई पर हरीश चौधरी और सांसद विवेक टांक ने सवाल उठाए थे। हरीश चौधरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा था कि कांग्रेस आईटी सेल के कार्यकर्ताओं को अवैध रूप से हिरासत में रखना निंदनीय है और यह लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने इसे असहमति की आवाज दबाने और सत्ता के दुरुपयोग का उदाहरण बताया। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए डिजिटल फॉरेंसिक जांच और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है।

झारखंड में दो नए चिड़ियाघर बनाने की योजना... 200 के करीब वन्यजीवों को प्राकृतिक आवास देने की तैयारी

रांची (एजेंसी)। झारखंड राज्य में दो नए चिड़ियाघर के निर्माण की प्रक्रिय जारी है। दुमका और गिरिडीह में प्रस्तावित चिड़ियाघर में 200 के करीब वन्यजीवों को प्राकृतिक आवास उपलब्ध करने की तैयारी है। इसके लिए देश के दूसरे वन प्रभाग और नेशनल पार्क से वन्य जीव लाए जाएंगे। इन जीवों को पहले दलमा और सारंडा के रेस्क्यू सेंटर में रखा जाएगा। बता दें कि सारंडा में नई सफारी भी बननी है। हाथियों के लिए बनाए गए इन रेस्क्यू सेंटर पर बाहर से आए जीवों को झारखंड की जलवायु में ढलने का मौका मिलेगा। वन्यजीव विशेषज्ञ ने बताया कि बाघ, चीता जैसे वन्य जीव जल्दी दूसरे जीवों से घुलते मिलते नहीं हैं। नई जगह पर इन्हें आरामदायक माहौल नहीं मिलने पर इनकी मृत्यु तक हो जाती है। कूनो नेशनल पार्क में नामीबिया से लाए चीते की मौत के बाद केंद्रीय वन्यजीव संस्थान ने इनके ट्रांसपोर्ट और रिहेब्लिटेशन (आवास) के मानदंड कड़े किए हैं। नए लाए वन्यजीवों को एकबार चिड़ियाघर में स्थानांतरित करने के बाद इनके चिकित्सा की व्यवस्था वहीं होगी। झारखंड सरकार ने वन्य जीव संस्थान से इसके लिए पशु चिकित्सालय स्थापित करने में तकनीकी सहायता मांगी है। दुमका और गिरिडीह में सात के करीब बाघ रखने की योजना विभाग बना रहा है। इसके अलावा रणथंभौर से चीते लाने के लिए केंद्र सरकार के अधिकारियों से बात हुई है। विशेषज्ञों ने चिड़ियाघर में वन्यजीव के रहने के लिए प्राकृतिक आवास तैयार करने का निर्देश दिया है। मार्च में केंद्रीय वन्यजीव विशेषज्ञ ने दुमका और गिरिडीह के प्रस्तावित स्थलों का दौरा किया है। यहां साल के वृक्ष लगाने और बड़े चट्टानों को स्थाना करने की सलाह विशेषज्ञ ने दी है।

लुधियाना के स्कूलों को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी

लुधियाना(एजेंसी)। पंजाब के लुधियाना के स्कूलों को फिर से बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिला है। फिलहाल चार स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी भरा ई-मेल जारी होने के बाद स्कूलों ने अभिभावकों के ग्रुप में जानकारी शेयर कर पुलिस प्रशासन को सूचित किया है। स्प्रिंग डेल स्कूल ने बच्चों की छुट्टी कर दी। फिलहाल स्कूल में पुलिस की ओर से चैकिंग चल रही है। इसके पहले 10 मार्च को लुधियाना के कुछ स्कूलों को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली थी, इस बात से हड़कंप मच गया था। सुबह करीब 7 बजे ई-मेल के जरिए सीबीएसई से संबंधित 3 स्कूलों को धमकी भरा संदेश मिला था, जिसमें स्कूल परिसर में बम होने की बात कही गई थी।

जयपुर में बिजली के बॉक्स बनाने की फैक्ट्री में आग.... महिला मजदूर जिंदा जली

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में बिजली के बॉक्स और इलेक्ट्रॉनिक इक्विपमेंट बनाने की फैक्ट्री में आग लगी। हादसे में फैक्ट्री में काम कर रही महिला मजदूर की जिंदा जल गई। वहीं दो अन्य झुलस गए। सूचना मिलते ही दमकल और पुलिस टीमें मौके पर पहुंचीं। इसके बाद राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। फैक्ट्री में फायर सेफ्टी उपकरण भी नहीं थे। हादसा सुदर्शनपुरा इलाके में हुआ। बिजली इक्विपमेंट बनाने की फैक्ट्री जेएमडी एंटरप्राइजेज के बेसमेंट में भीषण आग लग गई थी। इस दौरान बेसमेंट में रखे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में ब्लास्ट भी हुआ, जिससे स्थिति गंभीर हो गई। घटना के समय फैक्ट्री में 7 मजदूर काम कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि हादसे में गोमा देवी (47) निवासी यूपी की जलने से मौत हो गई। दो मजदूर अभिषेक (30) निवासी बिहार हाल निवासी नंदपुरी 22 गोदाम, मनोज मालाकर (42) निवासी बिहार हाल निवासी नंदपुरी गंभीर रूप से झुलस गए। दोनों को एसएमएस हॉस्पिटल की बर्न यूनिट में भर्ती करवाया गया है। यूनिट मालिक शशांक कटियार है। फैक्ट्री में जहां हादसा हुआ, वहां बिजली के उपकरण जैसे फैन बॉक्स, कंशिल्ड बॉक्स बनाए जाते थे। इसके लिए बेसमेंट में भट्टी जलाकर लोहे की चद्दर को काटकर कंशिल्ड और फैन बॉक्स का रूप दिया जा रहा था। भट्टी के साथ गैस सिलेंडर का उपयोग हो रहा था। बताया जा रहा हैं कि बेसमेंट में रखे पाउडर पोटिंग की भट्टी में लगे सिलेंडर में विस्फोट होने के कारण आग लगी। वहीं बताया जा रहा है कि जब विस्फोट हुआ, उस दौरान कम्प्रेशर चालू था, जिससे आग भभक पड़ी। फैक्ट्री में 69 किलो एलपीजी गैस से भरे पांच सिलेंडर रखे थे। फायर फाइटर्स सबसे पहले सिलेंडरों को आग की लपटों से दूर लेकर गए।

अदालत को प्रमाणित, विश्वसनीय और कानूनी रूप से स्वीकार्य स्रोतों पर ही भरोसा

–सबरीमाला मामले में सुनवाई करते हुए जस्टिस नागरत्ना ने क्यों किया 'व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी' शब्द का प्रयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में सबरीमाला मामले से जुड़े रेफरेंस की सुनवाई के दौरान जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने अहम टिप्पणी कर 'व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी' शब्द का इस्तेमाल किया। यह टिप्पणी तब आई जब वरिष्ठ अधिवक्ता नीरज किशन कौल अदालत में धार्मिक अधिकारों और संवैधानिक प्रावधानों से जुड़े तर्क रख रहे थे और विभिन्न स्रोतों से विचारों का हवाला दे रहे थे।

वरिष्ठ अधिवक्ता कौल ने दलील दी कि ज्ञान और विचार किसी भी माध्यम से आए हों, उन्हें पूरी तरह खारिज नहीं करना चाहिए। वे अखबार में प्रकाशित एक लेख और विभिन्न विचारकों के मतों का उल्लेख कर रहे थे, जिसमें धार्मिक मामलों में न्यायिक संयम की बात कही गई थी। इस पर भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने स्पष्ट किया कि अदालत सभी विद्वानों और लेखकों का सम्मान करती है, लेकिन कोई भी लेख या व्यक्तिगत राय न्यायालय पर बाध्यकारी नहीं होती। तभी बहस के दौरान जस्टिस नागरत्ना ने हल्के अंदाज में कहा, 'लेकिन व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी से नहीं,' उनकी इस टिप्पणी से संदेश दिया गया कि अदालत में केवल प्रमाणित, विश्वसनीय और कानूनी रूप से स्वीकार्य स्रोतों पर ही भरोसा किया जा सकता है, न कि अपुष्ट या सोशल मीडिया आधारित जानकारी पर।

मामले की पृष्ठभूमि में दाऊदी बोहरा समुदाय की ओर से दायर याचिका शामिल है, जिसमें धार्मिक बहिष्कार (एक्सकम्युनिकेशन) की प्रथा को चुनौती दी गई है। वरिष्ठ अधिवक्ता कौल समुदाय की ओर से पेश हो रहे हैं। उन्होंने तर्क दिया कि संविधान के अनुच्छेद 26(बी) के तहत धार्मिक संप्रदायों को अपने मामलों के प्रबंधन का अधिकार प्राप्त है और इसे हर स्थिति में अनुच्छेद 25(2)(बी) के तहत राज्य के सामाजिक सुधार कानूनों के अधीन नहीं माना जाना चाहिए। कौल ने तर्क दिया कि पहले के न्यायिक निर्णय, जैसे 'देवरू' फैसला, केवल मंदिर प्रवेश से जुड़े मामलों तक सीमित थे और उन्हें सभी धार्मिक अधिकारों पर लागू सामान्य सिद्धांत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने अनुच्छेद 25 और 26 के बीच संतुलित व्याख्या यानी 'हार्मोनियस कंस्ट्रक्शन' की आवश्यकता पर जोर दिया। इस पर जस्टिस नागरत्ना ने स्पष्ट किया कि जब राज्य अनुच्छेद 25(2)(बी) के तहत सामाजिक सुधार के लिए कानून बनाता है, तो धार्मिक अधिकारों को पूर्ण और सर्वोपरि नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि ये अधिकार सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य के अधीन होते हैं, और इन्हीं आधारों पर सामाजिक सुधार संभव होता है। कौल ने इस तर्क

से सहमति जाहिर की। इसके साथ ही कौल ने 'संवैधानिक नैतिकता' की व्याख्या पर भी चिंता जताई और कहा कि इस अनावश्यक रूप से विस्तृत अर्थ देने से संवैधानिक प्रावधानों का दायरा बदल सकता है। उन्होंने तर्क दिया कि गलत प्रथाओं को रोकने के लिए सार्वजनिक नैतिकता पर्याप्त आधार है।

हरियाणा-राजस्थान सीमा के पास मिले गुब्बारे, अंग्रेजी और उर्दू में लिखा- 'पीआईए'

-पुलिस ने पहुंचकर की जांच, गुब्बारे में नहीं मिली कोई संदिग्ध चीज

सिरसा (एजेंसी)। हरियाणा के सिरसा जिले के एक गांव में बुधवार को एक घर के बाहर सफेद और नीले रंग का गुब्बारा मिला, जिस पर अंग्रेजी और उर्दू में 'पीआईए' लिखा था। अधिकारियों ने बताया कि गुब्बारे पर पाकिस्तान के झंडे की तस्वीर थी, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। नाथूसरी चौपटा थाना प्रभारी ने बताया कि सिरसा के खेरी गांव में एक घर के बाहर हवाई जहाज जैसा दिखने वाला गुब्बारा गिरा। उन्होंने कहा कि पुलिस को सूचना मिली कि गुब्बारा एक शेड के बाहर गिरा है, जहां एक ग्रामीण अपने जानवर बांधता है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। गुब्बारे में कोई संदिग्ध चीज नहीं मिली। अधिकारी ने बताया कि यह गांव हरियाणा-राजस्थान सीमा के पास है। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के एक गांव के पास भी बुधवार को सफेद और नीले रंग का गुब्बारा मिला था, जिस पर अंग्रेजी में 'पीआईए' लिखा था और पाकिस्तान के झंडे की तस्वीर थी। भटियात तहसील की नगाली पंचायत के शुकड़ाह गांव में संदिग्ध गुब्बारा मिलने से हड़कंप मच गया है। नागली ग्राम पंचायत के पूर्व प्रधान ने गुब्बारा देखने के बाद खैरी थाने को सूचना दी। इसके बाद डलहौजी के पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और निरीक्षण किया। पुलिस ने गुब्बारे को मालखाने में सुरक्षित रखवा दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने बताया कि कुछ दिन पहले इसी इलाके में ऐसा ही एक गुब्बारा मिला था। इससे पहले, बिलासपुर और कांगड़ा में ऐसे गुब्बारे मिल चुके हैं।

गुजरात के निकाय चुनाव में भाजपा की जीत का भरोसा: मनसुख मांडविया का बड़ा बयान

'डबल इंजन सरकार पर जनता का विश्वास बढ़ा, सभी स्थानीय निकायों में भाजपा की जीत तय'

सूरत (एजेंसी)। स्थानीय निकाय चुनावों के बीच सूरत के उद्योगपतियों के साथ आयोजित एक अहम बैठक में केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने भाजपा की जीत को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि सूरत महानगरपालिका सहित पूरे गुजरात में होने वाले आगामी नगर पालिका, तालुका पंचायत और जिला पंचायत चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की मजबूत जीत होगी। मनसुख मांडविया ने कहा कि पिछले दो दिनों से वे सूरत में चुनाव प्रचार के दौरान लगातार लोगों से मुलाकात कर रहे हैं। इस दौरान जनता का रुझान स्पष्ट रूप से भाजपा के पक्ष में दिखाई दे रहा है। उन्होंने दावा किया कि लोगों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के नेतृत्व वाली ÷डबल इंजन सरकार÷ के प्रति गहरा विश्वास है, क्योंकि यह सरकार जनकल्याण और विकास के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सूरत के युवाओं में स्टार्टअप और एंटरप्रेन्योरशिप की नई लहर देखने को मिल रही है। कई युवा नए व्यवसाय और रोजगार के अवसर पैदा कर रहे हैं। खास बात यह है कि ये युवा सरकारी योजनाओं का प्रभावी ढंग से लाभ उठाकर अपने छोटे-बड़े उद्यम खड़े कर रहे हैं। यह गुजरात के विकास मॉडल की सफलता को दर्शाता है।

मांडविया ने आगे कहा कि सरकार ने आम जनता पर आर्थिक बोझ कम करने के लिए एक्साइज ड्यूटी में कटौती जैसे कदम उठाए हैं। इससे लोगों को सीधा लाभ मिल रहा है और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि सूरत नगर निगम क्षेत्र ही नहीं, बल्कि पूरे गुजरात में भाजपा के प्रति जनता का समर्थन लगातार बढ़ रहा है। उनके अनुसार, उद्योग जगत, व्यापारी वर्ग और युवा सभी वर्गों में सरकार की नीतियों को लेकर सकारात्मक माहौल है। बैठक में उद्योगपतियों ने भी सरकार की नीतियों और विकास कार्यों पर चर्चा की। मंडाविया ने कहा कि सरकार और जनता के बीच बढ़ता भरोसा ही भाजपा की जीत की सबसे बड़ी ताकत है। अंत में उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी स्थानीय स्वराज्य चुनावों में भाजपा सभी नगर पालिकाओं, तालुका पंचायतों और जिला पंचायतों में ऐतिहासिक सफलता हासिल करेगी।

कमजोर मानसून और अलनीनो का प्रभाव... जल संकट से निपटने को तैयार हुई महाराष्ट्र सरकार

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने खुद स्थिति की कमान संभालकर जल प्रबंधन को प्राथमिकता दी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में संभावित कमजोर मानसून और अल नीनो के खतरे को देखकर राज्य सरकार सतर्क हो गई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने खुद स्थिति की कमान संभालकर अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जल प्रबंधन को प्राथमिकता दें और अगस्त 2026 तक पीने के पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि अल नीनो के प्रभाव से वर्षा में कमी आ सकती है, जिससे राज्य में जल संकट गहराने की आशंका है।

महाराष्ट्र राज्य के जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव दीपक कपूर ने कैबिनेट बैठक में जलाशयों के मौजूदा स्तर और संभावित जोखिमों की जानकारी दी। आंकड़ों के अनुसार, 21 अप्रैल 2026 तक महाराष्ट्र के बांधों में 653.63 हजार मिलियन क्यूबिक फीट पानी उपलब्ध है, जो बीते वर्ष के मुकाबले अधिक है। हालांकि, यदि मानसून कमजोर रहता है, तब यह स्थिति जल्दी बिगड़ सकती है। पहले भी अल नीनो वाले वर्षों में जल स्तर में भारी गिरावट दर्ज की गई है–2014 में 12 प्रतिशत और 2015 में लगभग 14 प्रतिशत तक कमी आई थी, जिससे राज्य के अंदर व्यापक जल संकट पैदा हुआ था। मुख्यमंत्री फडणवीस ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे अभी से पानी बचाने की आदत अपनाएं। उन्होंने जल संरक्षण परियोजनाओं को तेज करने, जल प्रबंधन प्रणाली को बेहतर बनाने और पारंपरिक जल स्रोतों जैसे कुएं, बावड़ी और तालाबों को पुनर्जीवित करने पर जोर दिया। इसके साथ ही विभागों के बीच बेहतर समन्वय और आपदा प्रबंधन की तैयारियों को भी मजबूत करने के निर्देश दिए हैं। इस समीक्षा बैठक में भारत मौसम विज्ञान विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। इस क्रम में राज्य सरकार ने ÷जल प्रबंधन कार्य पखवाड़ा÷ अभियान शुरू किया है, जिसका उद्देश्य आम जनता की भागीदारी से जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाना है। इसके तहत 'गोदा से नर्मदा' और 'पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होल्कर जल-यात्रा 2026' जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जल संसाधन मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने बताया कि इस पहल का मकसद जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना और सतत जल प्रबंधन को बढ़ावा देना है। यह जल यात्रा तीन मुख्य स्तंभों विचार, विरासत और विकास से जुड़ी है। इसका उद्देश्य लोगों को जल संरक्षण के महत्व से जोड़ना और ऐतिहासिक विरासत से प्रेरणा लेकर आधुनिक समाधान विकसित करना है। अहिल्यादेवी होल्कर की 300वीं जयंती के मौके पर शुरू की गई यह पहल उनके जनकल्याणकारी और दूरदर्शी शासन से प्रेरित है, जिसमें मंदिरों, घाटों और जल संरचनाओं के निर्माण को विशेष महत्व दिया गया था। कुल मिलाकर, महाराष्ट्र सरकार संभावित जल संकट को गंभीरता से लेकर पहले से ही ठोस कदम उठा रही है। यदि समय रहते जल संरक्षण और प्रबंधन के उपाय प्रभावी ढंग से लागू किए गए, तब लाखों लोगों को भविष्य में पानी की कमी से बचाया जा सकता है।

पीएम मोदी के बॉस कहने पर नितिन नवीन की प्रतिक्रिया... यह बात पार्टी की संस्कृति को दिखाती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उन्हें 'बॉस' कहने पर पहली प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की यह बात उनकी पार्टी की संस्कृति को दिखाती है। एक विशेष इंटरव्यू में नितिन नवीन से जब पीएम मोदी की इस टिप्पणी के बारे में पूछा गया तब उन्होंने बेबाकी से जवाब देकर कहा कि यही हमारी पार्टी की खूबसूरती है। उन्होंने कहा कि इसतरह के संबोधन आपसी सम्मान और संगठनात्मक भाईचारे से आते हैं, न कि सख्त सत्ता संरचना से आते है।

भाजपा अध्यक्ष बनने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने नितिन नवीन को बधाई देकर उनके लिए 'बॉस' शब्द का इस्तेमाल किया था। यह इशारा पार्टी की अनुशासित संरचना के बीच अनौपचारिक और प्रतीकात्मक भाव के रूप में देखा गया। पीएम मोदी ने कहा था कि मैं एक कार्यकर्ता हूं और नितिन नवीन अब मेरे बॉस हैं। मैं नवीन को भारतीय जनता पार्टी का अध्यक्ष बनने पर बधाई देता हूं, जो दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। मैं सभी पूर्व अध्यक्षों का भी पार्टी को मजबूत करने में उनके योगदान के लिए धन्यवाद देता हूं।

बात दें कि वरिष्ठ बीजेपी नेता नितिन नवीन को जनवरी में पार्टी का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया था। 45 वर्षीय नवीन की नियुक्ति को पार्टी की संगठनात्मक मजबूती और पीढ़ीगत बदलाव की दिशा में संकेत के रूप में देखा गया, खासकर इस साल होने वाले महत्वपूर्ण राज्य चुनावों से पहले, 45 साल की उम्र में नितिन नवीन बीजेपी के सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं और वे पार्टी के 12वें अध्यक्ष हैं। नवीन का संबंध राजनीतिक परिवार से है। वे बिहार के वरिष्ठ बीजेपी नेता और चार बार विधायक रहे नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा के बेटे हैं। 2006 में पिता के निधन के बाद उन्होंने सक्रिय राजनीति में कदम रखा और पटना पश्चिम विधानसभा उपचुनाव जीतकर विधायक बने। समय के साथ उन्होंने पार्टी के भीतर अपनी राजनीतिक पहचान मजबूत की। नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली बिहार सरकार में वे सड़क निर्माण और शहरी विकास जैसे अहम विभागों के मंत्री भी रहे, हालांकि बाद में उन्होंने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया।

निजी स्कूलों में महंगी किताबों को लेकर राज्य सरकारों को नोटिस जारी

एनएचआरसी का ने उठाया बड़ा कदम, केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय से भी मांगा जवाब

नई दिल्ली(एजेंसी)। निजी स्कूलों में महंगी किताबों के मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने बड़ा एक्शन लिया है। प्राइवेट स्कूलों में पेरेंट्स पर महंगी किताबों को खरीदने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं और कई जगहों पर अभिभावक इसका विरोध भी जता रहे हैं, हालांकि अब इस मसले पर एनएचआरसी ने बड़ा कदम उठाया है। प्रियंक कानूनगो की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने निजी स्कूलों में महंगी किताबों को लेकर राज्य सरकारों को नोटिस जारी किया है। आयोग ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को भी नोटिस भेजकर जवाब मांगा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह कार्रवाई नमो फाउंडेशन की शिकायत के आधार पर हुई है, जिसमें निजी प्रकाशकों की किताबें खरीदने के लिए छात्रों और अभिभावकों पर दबाव डालने का आरोप है।

आयोग ने राज्यों को राष्ट्रीय स्कूल बैग नीति और शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत पालन पर रिपोर्ट देने को कहा है, साथ ही एससीईआरटी और एनसीईआरटी की किताबों के उपयोग को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। आयोग ने साफ कहा है कि सरकारी और निजी स्कूलों में अलग-अलग किताबें लागू करना 'अकादमिक भेदभाव' हो सकता है। अब इस मामले में शिक्षा मंत्रालय के जवाब का इंतजार है।

बता दें स्कूलों में महंगी किताबों को लेकर हरियाणा का अभिभावक एकता मंच भी पिछले कई सालों से आवाज उठा रहा है और इसका विरोध कर रहा है। मंच की मानें तो स्कूलों में छोटी-छोटी कक्षाओं में 4-4 हजार रुपए के किताबों के सेट लगाए हुए हैं। स्कूल हर साल पाठ्यक्रम की किताबों में कुछ न कुछ हल्का फेरबदल भी कर देते हैं ताकि पेरेंट्स पुरानी किताबों का इस्तेमाल न कर सकें और उन्हें नई किताबें ही खरीदनी पड़ें। इससे पेरेंट्स के ऊपर हर साल बड़ा आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

तमिलनाडु चुनाव: अब सीधा मुक़ाबला नहीं यह एक त्रिकोणीय लड़ाई बन गया

–एक्टर विजय की एंट्री ने दशकों पुरानी दो-ध्रुवीय राजनीति पूरी तरह बदल दी

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु का 2026 का विधानसभा चुनाव राज्य के राजनीतिक इतिहास में एक युगांतरकारी मोड़ के रूप में दर्ज होने जा रहा है। यह चुनाव केवल सत्ता के परिवर्तन का संघर्ष नहीं है, बल्कि उस पांच दशक पुराने राजनीतिक ढांचे के ढहने का संकेत है जिसमें केवल दो द्रविड़ दिग्गजों डीएमके और एआईएडीएमके का वर्चस्व रहा है। अभिनेता-राजनेता विजय और उनकी पार्टी टीवीके के प्रवेश ने एक स्थिर दो-ध्रुवीय व्यवस्था को एक अस्थिर और रोमांचक त्रिकोणीय मुकाबले में बदल दिया है। पिछले 50 से ज्यादा सालों से तमिलनाडु की राजनीति द्रविड़ियन विचारधारा, सामाजिक न्याय और लोक-कल्याणकारी नीतियों की धुरी पर घूमती रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम एम के स्टालिन के नेतृत्व में डीएमके ने 2021 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव में अपनी सांगठनिक शक्ति का लोहा मनवाया। प्रशासनिक स्थिरता और द्रविड़ मॉडल के नैरेटिव ने उन्हें अल्पसंख्यकों और शहरी मध्यम वर्ग के बीच मजबूत बनाए रखा है। जय जयललिता के निधन के बाद भी एडप्पादी के. पलानीस्वामी के नेतृत्व में एआईएडीएमके ने अपना वोट बैंक काफी हद तक बचाए रखा है। विपक्ष के रूप में यह पार्टी सत्ता-विरोधी लहर को भुनाने की कोशिश करती रही है।

अब तक छोटी पार्टियां या तो इन दो दिग्गजों के साथ गठबंधन में समा जाती थीं या हाशिए पर रहती थीं, लेकिन विजय ने इस परिपाटी को चुनौती दी है। राजनीति में विजय के कदम रखने से, अब यह दशकों पुरानी दो-ध्रुवीय राजनीति पूरी तरह बदल गई है। तमिल सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में से एक, विजय ने अपनी ज़बरदस्त लोकप्रियता को एक राजनीतिक मंच में बदल दिया है, जिसका मकसद इन दोनों ही द्रविड़ियन पार्टियों को चुनौती देना है। टीवीके ने भ्रष्टाचार-विरोध, शासन-सुधार और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों को आधार बनाकर, बहुत तेज़ी से युवाओं के बीच अपना समर्थन-आधार तैयार किया है, साथ ही, पार्टी ने ज़मीनी स्तर पर अपने विस्तार पर भी काफी ज़ोर दिया है, जिसमें बूथ-स्तर तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना भी शामिल है।

सबसे अहम बात यह है कि टीवीके की रणनीति विजय की निजी लोकप्रियता से कहीं आगे तक जाती है। पार्टी ने इस चुनाव को एक पीढ़ीगत बदलाव के तौर पर पेश किया है, जिसमें युवाओं को नौकरी, इंटर्नशिप और आर्थिक मदद का वादा करके उन्हें लुभाने की कोशिश की गई है। यह तरीका ऐसे राज्य में बहुत मायने रखता है, जहां युवाओं की आबादी बहुत ज़्यादा है करीब 12.5 लाख पहली बार वोट देने वाले और 40 साल से कम उम्र के करीब 2.5 करोड़ वोटर हैं। विजय ने महिला वोटरों को लुभाने के लिए भी ज़ोरदार कोशिश की है। ये वोटर कुल वोटरों का करीब 51 फ़ीसदी हिस्सा हैं। टीवीके ने कई चुनावी वादे किए हैं। ये वादे एक रणनीतिक बदलाव का संकेत हैं, खासकर तब जब पार्टी के अंदर पहले डीएमके सरकार की महिलाओं के लिए 1,000 रुपये की मदद जैसी कल्याणकारी योजनाओं की आलोचना की गई थी।

टीवीके के ज़्यादातर अकेले चुनाव लड़ने के फ़ैसले ने समीकरणों को उलझा दिया है, जिससे डीएमके और एआईएडीएमके दोनों को ही अपनी रणनीतियों पर फिर से विचार करने पर मजबूर होना पड़ा है। एआईएडीएमके ने इस चुनाव को डीएमके के साथ सीधी लड़ाई के तौर पर पेश करने की कोशिश की है, ताकि सत्ता-विरोधी वोटों का बंटवारा न हो, वहीं, डीएमके युवाओं के वोट छिटकने के जोखिम के बावजूद अपने मुख्य वोट बैंक को बचाए रखने के लिए अपने शासन के कामकाज और कल्याणकारी योजनाओं के वितरण पर ही ज़्यादा ज़ोर दे रही है। ज़मीनी स्तर पर, इस चुनाव का तीन-तरफ़ा स्वरूप दक्षिणी ज़िलों जैसे कन्याकुमारी, थूथुकुडी और तिरुनेलवेली में और साथ ही चेन्नई जैसे शहरी केंद्रों में साफ तौर पर दिखाई दे रहा है। इन जगहों पर टीवीके की मौजूदगी ने वोट देने के पारंपरिक तरीकों और जीत-हार के अंतर को बदल दिया है।

तमिलनाडु का 2026 का विधानसभा चुनाव अब कोई सीधा-सादा मुक़ाबला नहीं रह गया है, बल्कि यह एक त्रिकोणीय लड़ाई बन चुका है। डीएमके, एआईएडीएमके और टीवीके के बीच चल रही इस त्रिकोणीय जंग में, भले ही यह नई पार्टी सीधे तौर पर विजेता बनकर न उभरे, लेकिन चुनाव परिणामों को तय करने में इसकी भूमिका निर्णायक साबित हो सकती है। सर्वेक्षण बताते हैं कि जहां 40 फीसदी मतदाता अभी भी इस चुनाव को डीएमके बनाम एआईएडीएमके की पारंपरिक जंग मानते हैं, वहीं 20 फीसदी लोग विजय को एक वास्तविक और मजबूत विकल्प के रूप में स्वीकार कर रहे हैं। भले ही विजय सीधे तौर पर सत्ता तक न पहुंचें, लेकिन उनकी पार्टी किंगमेकर बनकर उभरेगी और भविष्य के गठबंधनों की दिशा तय करेगी।

बिगोद पुलिस व डीएसटी की बड़ी कार्रवाई, लावारिस स्विफ्ट कार से 41 किलो डोडा चूरा बरामद, तस्कर फरार

खेतों के कच्चे रास्ते पर मिली बिना नंबर की कार, जब्त मादक पदार्थ की कीमत 6 लाख रुपये

स्मार्ट हलचल | बिगोद (भीलवाड़ा)

जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जिला विशेष टीम (ष्ठस्ट) और बिगोद थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने सराणा सरहद के खेतों में लावारिस हालत में खड़ी एक बिना नंबर की स्विफ्ट कार से 40 किलो 950 ग्राम अवैध डोडा चूरा बरामद किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में जब्त मादक पदार्थ की कीमत करीब 6 लाख रुपये आंकी गई है। हालांकि, पुलिस की भनक लगते ही तस्कर कार छोड़कर मौके से फरार हो गया।

पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार (24 अप्रैल) को ष्ठस्ट के एएसआई अशोक कुमार को मुखबिर से गुप्त सूचना मिली कि सरहद सराणा में खेतों के कच्चे रास्ते पर एक बिना नंबर की मारुति स्विफ्ट कार संदिग्ध हालत में खड़ी है, जिसमें अवैध मादक पदार्थ हो सकता है।

कार की तलाशी में मिले डोडा चूरा के 2 कट्टे:

सूचना के आधार पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) पारस जैन व माण्डलगढ़ सीओ बाबुलाल विश्नोई के सुपरविजन में डीएसटी और बिगोद पुलिस की संयुक्त टीम का गठन किया गया। टीम ने मौके पर पहुंचकर जब बिना नंबर की उक्त कार की तलाशी ली, तो उसमें 2 प्लास्टिक के कट्टे मिले। कट्टों को खोलने पर उनमें 40.950 किलोग्राम अवैध डोडा चूरा भरा हुआ पाया गया।

पुलिस ने अवैध डोडा चूरा और बिना नंबर की स्विफ्ट कार को जब्त कर लिया है। मौके से फरार हुए अज्ञात तस्कर के खिलाफ बिगोद थाने में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 के तहत प्रकरण संख्या 74/2026 दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अब कार के चेचिस और इंजन नंबर के आधार पर मालिक का पता लगाने और फरार तस्कर की सरगर्मी से तलाश कर रही है।

कार्रवाई में शामिल पुलिस टीम:

इस कार्रवाई में डीएसटी के एएसआई अशोक कुमार कडवा का विशेष योगदान रहा। संयुक्त टीम में डीएसटी से कांस्टेबल गोपाल राम, शंकर लाल, कन्हैया लाल मीणा, कमल कुमार और बिगोद थाने से कांस्टेबल सचिन कुमार, भुपेन्द्र सिंह व दिनेश शामिल रहे।

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला समिति द्वारा निर्धन कन्या का कन्यादान, सामाजिक सरोकार का सराहनीय उदाहरण

स्मार्ट हलचल

भवानी मंडी। स्थानीय गणेश मंदिर में अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला समिति द्वारा एक अत्यंत सराहनीय एवं सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने वाला कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसके अंतर्गत एक निर्धन कन्या हेतु कन्यादान सामग्री एकत्रित कर कन्या वर्षा सेन को उपहार स्वरूप दी गई। कार्यक्रम में समिति की सदस्याओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर इस पुनीत कार्य को सफल बनाया।

समिति की मीडिया प्रभारी सुधा फलेट ने बताया कि इस अवसर पर कन्या को पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ फूलों की माला पहनाई गई तथा हल्दी और मेहंदी की रस्में भी संपन्न कराई गईं। कार्यक्रम के दौरान मंगल गीतों का आयोजन हुआ, जिसमें महिलाओं द्वारा पांच

पारंपरिक गीत गाकर वातावरण को भावपूर्ण और सांस्कृतिक रंग में रंग दिया गया।

समिति द्वारा कन्या को गृहस्थ जीवन की शुरुआत के लिए आवश्यक सामग्री भेंट स्वरूप प्रदान की गई, जिसमें इक्कीस साड़ियां, दो लहंगे, स्टील के बर्तन, एक चांदी का छल्ला, चांदी की पॉलिश का मंगलसूत्र, नथ, चूड़ियां सुहाग एवं मेकअप के सामान, वैनिटी किट, पर्स, आर्टिफिशल ज्वैलरी सेट,बेडशीट, दरी, टॉवल, कंबल सहित अनेक छोटे-बड़े किचन उपयोगी सामान एवं अन्य उपहार शामिल रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समिति की अध्यक्षा श्रीमती मीनाक्षी जाखेटिया ने कहा कि समाज में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की सहायता करना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल जरूरतमंदों को सहयोग प्रदान करते हैं, बल्कि समाज में सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को भी सुदृढ़ करते हैं।

कार्यक्रम के अंत में समिति की संरक्षिका श्रीमती शोभा गुप्ता द्वारा सभी उपस्थित लोगों को आइसक्रीम वितरित की गई, जिससे कार्यक्रम का समापन सौहार्दपूर्ण एवं आनंदमय वातावरण में हुआ।

इस अवसर पर समिति की सचिव रजनी क्षोत्रिय , रीना ऑदीचेय,,कोषाध्यक्ष रीना खंडेलवाल, राजेश बिरला, चंचल बियानी, राजकुमारी सोनी, प्रीति सोनी, आशा काग्या , अलका भूतड़ा, सावित्री भूतड़ा, सुशीला भूतड़ा, सीता खंडेलवाल, शशि खंडेलवाल, अंजु जयसवाल, गीता कोठारी, पुष्पा जी भूतड़ा,लक्ष्मी भूतड़ा, कंचन राठी, निशा भराड़ीया,दीपा खंडेलवाल, विजेश शर्मा, गंगा गुप्ता, डॉ अनीता दयाल, सरोज गुप्ता, मीनाक्षी शर्मा, शिखा बिरला, अनेक सदस्याएं उपस्थत रहे।

श्री द्वारकाधीश मंदिर की 67वीं वर्षगांठ पर आयोजन

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। श्री द्वारकाधीश मंदिर समिति, मठेड़ा प्रजापति समाज (समस्त छोकला) द्वारा भगवान श्री द्वारकाधीशजी की 67वीं वर्षगांठ बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी। आयोजन को लेकर मंदिर समिति के अध्यक्ष रतन मांडीवाल के सानिध्य में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई, जिसमें उत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया।

सचिव नारायणलाल कपूरपुरा (अमालीगढ़) ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दो दिवसीय आयोजन 28 और 29 अप्रैल 2026 को आयोजित किया जाएगा।

मंगलवार, 28 अप्रैल को रात्रि 8:00 बजे से भजन संध्या का आयोजन होगा, जिसमें गायक भजनों की प्रस्तुतियां देंगे। बुधवार, 29 अप्रैल को दोपहर 3:00 बजे से शहर के प्रमुख मार्गों से भगवान द्वारकाधीश की शोभायात्रा निकाली जाएगी। द्य शोभायात्रा के पश्चात शाम 7:00 बजे मंदिर प्रांगण में महाआरती का आयोजन होगा। इसके बाद भगवान को छप्पन भोग धराया जाएगा और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया जाएगा।

भारतीयों को अब फ्रांस के एयरपोर्ट्स पर मिलेगा वीजा-फ्री एयर ट्रांजिट

स्मार्ट हलचल | नई दिल्ली

भारत और फ्रांस के बीच रिश्ते लगातार मजबूत हो रहे हैं। अब इन्हें और मजबूत करने के लिए एक कदम और उठाया गया है। भारतीय यात्रियों के लिए फ्रांस ने एक बड़ी सुविधा शुरू की है। भारतीयों के लिए फ्रांस में वीजा-मुक्त ट्रांजिट की सुविधा 10 अप्रैल, 2026 से लागू कर दी गई है। इस नए नियम के अनुसार, साधारण भारतीय पासपोर्ट धारकों को अब फ्रांस के हवाई अड्डों से होकर किसी तीसरे देश की यात्रा करते समय एयरपोर्ट ट्रांजिट वीजा (एटीवी) की आवश्यकता नहीं होगी।

इस सुविधा का लाभ सीधे तौर

पर उन भारतीय पासपोर्ट धारकों को मिलेगा, जो फ्रांस के किसी शहर से होते हुए किसी तीसरे देश की यात्रा कर रहे हैं। यात्रियों को हवाई अड्डे के अंतरराष्ट्रीय ट्रांजिट क्षेत्र में ही रहना होगा और आव्रजन (इमिग्रेशन) पार नहीं करना होगा। इससे भारतीय यात्रियों के लिए सुगम यात्रा और समय की बचत होगी।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा फ्रांसीसी सरकार ने अब यूरोपीय क्षेत्र में स्थित फ्रांसीसी हवाई अड्डों से होकर गुजरने वाले भारतीय नागरिकों के लिए वीजा-मुक्त ट्रांजिट सुविधा शुरू कर दी है। यह कदम प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों द्वारा फरवरी 2026 में राष्ट्रपति मैक्रों की भारत यात्रा के दौरान की गई एक घोषणा के बाद उठाया गया है।

मंत्रालय ने कहा यह निर्णय भारत और फ्रांस के बीच की स्थायी साझेदारी को दर्शाता है और दोनों देशों के बीच लोगों की आवाजाही को सुगम बनाकर 'लोगों से लोगों के बीच के संबंधों' को मजबूत करने सहित द्विपक्षीय संबंधों को और सुदृढ़ बनाने के प्रति दोनों नेताओं की गहरी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

बता दें कि वर्तमान में भारत और फ्रांस के बीच रिश्ते अपने अब तक के सबसे मजबूत स्तर पर हैं। फरवरी 2026 में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की भारत यात्रा के दौरान, दोनों देशों ने अपने संबंधों को एक ऐतिहासिक 'विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी' के स्तर पर अपग्रेड किया है। वहीं अब इस फैसले को भारत-फ्रांस संबंधों में बढ़ती साझेदारी का संकेत माना जा रहा है। साथ ही, यह दोनों देशों के बीच लोगों के आवागमन को आसान बनाने और पीपल-टू-पीपल कनेक्ट को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है।

रात के अंधेरे में धड़ल्ले से हो रही हरे पेड़ों की कटाई

एनएच-758 से गुजर रहे गीली लकड़ियों से भरे ट्रैक्टर

स्मार्ट हलचल|

लाडपुरा। क्षेत्र में हरे पेड़ों की कटाई और लकड़ियों की अवैध तस्करी का काला कारोबार रात के अंधेरे में धड़ल्ले से चल रहा है। वन विभाग और पुलिस की गश्त पर सवालिया निशान लगाते हुए, भीलवाड़ा-लाडपुरा नेशनल हाईवे-758 पर बेखौफ होकर गीली लकड़ियों से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉलियां गुजर रहे हैं।

रात 9:50 बजे गुजरे लकड़ियों से भरे ट्रैक्टर:

जानकारी के अनुसार, मांडलगढ़ थाना क्षेत्र के लाडपुरा से होकर गुरुवार रात करीब 9:50 बजे गीली लकड़ियों से ठसाठस भरे ट्रैक्टर-ट्रॉलियां गुजरते देखे गए। ग्रामीणों के अनुसार, तस्कर पुलिस और वन विभाग की कार्रवाई से बचने के लिए रात के समय का फायदा उठा रहे हैं।

कोटा-चित्तौड़ हाईवे से आ रही लकड़ियां:

सूत्रों के मुताबिक, लकड़ी से भरे ये ट्रैक्टर कोटा-चित्तौड़गढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग की तरफ से आ रहे थे और हाईवे से होते हुए मांडलगढ़ की ओर जा रहे थे। क्षेत्र में लगातार हरे पेड़ों (गीली लकड़ियों) की कटाई कर उन्हें इस तरह रात के समय ट्रैक्टरों में भरकर ठिकाने लगाया जा रहा है। हाईवे पर इस तरह अवैध लकड़ियों का परिवहन होना प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। क्षेत्रवासियों ने वन विभाग और पुलिस से रात्रिकालीन गश्त बढ़ाकर वन संपदा को नष्ट करने वाले इन तस्करों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

लाडपुरा में आबकारी नियमों की उड़ रही धज्जियां

1 लाइसेंस की आड़ में चल रहीं 5 अवैध दुकानें, रात 8 बजे बाद भी छलक रहे जाम

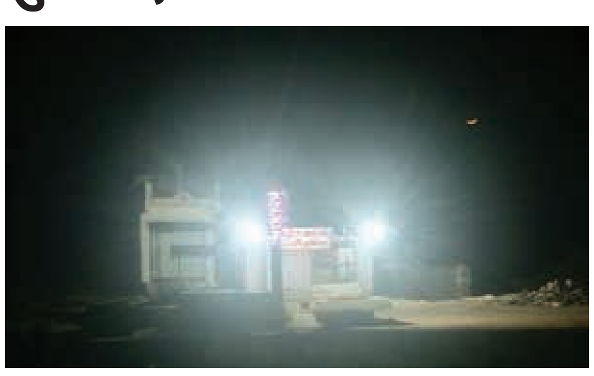

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। क्षेत्र में आबकारी विभाग के नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। लाडपुरा कस्बे में शराब माफिया और ठेकेदार बेखौफ होकर अवैध रूप से शराब का कारोबार चला रहे हैं। एक ओर जहां सरकार का नियम है कि रात 8 बजे बाद शराब की दुकानें बंद हो जानी चाहिए, वहीं दूसरी ओर यहां एक ही लाइसेंस की आड़ में गांव में 4-5 अवैध ब्रांचें संचालित की जा रही हैं, जो देर रात तक गुलजार रहती हैं।

रात 8 बजे बाद आधा शटर खोलकर होती है बिक्री:

सरकार के स्पष्ट आदेश हैं कि शराब की दुकानें सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक ही खुलेंगी। लेकिन लाडपुरा में चौराहे पर स्थित भेरुनाथ मंदिर के पास वाले ठेके और लाडपुरा-भीलवाड़ा नेशनल हाईवे पर स्थित ठेके पर रात 8 बजे के बाद भी धड़ल्ले से शराब बेची जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि 8 बजते ही दिखाने के लिए आधा शटर डाउन कर दिया जाता है, लेकिन इसके पीछे से शराब की बिक्री देर रात तक निर्बाध रूप से जारी रहती है।

एक लाइसेंस की आड़ में चल रहीं 5 दुकानें:

ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि आबकारी विभाग ने लाडपुरा में शराब बिक्री के लिए केवल एक दुकान का लाइसेंस जारी किया है। लेकिन ठेकेदार इसी एक लाइसेंस की आड़ में पूरे क्षेत्र में 4 से 5 अवैध दुकानें (ब्रांच) संचालित कर रहा है। हद तो यह है कि इन अवैध ठिकानों से आसपास के गांवों में भी दारू की पेटियों की धड़ल्ले से सप्लाई की जा रही है।

अवैध शराब की बिक्री का सबसे बुरा असर क्षेत्र के माहौल पर पड़ रहा है। लाडपुरा बस स्टैंड पर स्थित राजकीय विद्यालय के सामने बने चबूतरे पर आए दिन शराब की खाली और टूटी हुई बोतलें बिखरी पड़ी रहती हैं, जिससे स्कूली बच्चों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। देर रात तक दुकानें खुली रहने के कारण क्षेत्र में शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है और आए दिन लड़ाई-झगड़े की वारदातें हो रही हैं। इससे गांव की महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर भी खतरा पैदा हो गया है और किसी भी अप्रिय घटना की आशंका बनी रहती है।

कलेक्टर से की सख्त कार्रवाई की मांग

ग्रामीणों ने बताया कि अवैध रूप से संचालित इन ठेकों और ब्रांचों के विरुद्ध कई बार स्थानीय जनप्रतिनिधियों और पुलिस-प्रशासन को शिकायत की गई है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। आक्रोशित ग्रामीणों ने अब जिला कलेक्टर से मांग की है कि मामले का संज्ञान लेते हुए शीघ्र अतिशीघ्र इन अवैध दुकानों को बंद करवाया जाए और रात 8 बजे बाद शराब बेचने वालों का लाइसेंस निरस्त कर सख्त कार्रवाई की जाए।

मांडलगढ़ ब्लाइंड मर्डर का सनसनीखेज खुलासा

अफीम का लालच देकर दोस्त को उतारा मौत के घाट, 4 हत्यारे गिरफ्तार

जेब में मिली आयुर्वेदिक दवा की एक शीशी ने खोला राज, जालौर के युवक की हुई थी हत्या, 70 हजार व जेवर लूटे

स्मार्ट हलचल | मांडलगढ़

मांडलगढ़ थाना क्षेत्र के खंगारजी का खेड़ा के सुनसान जंगल में 18 अप्रैल को मिले अज्ञात शव (ब्लाइंड मर्डर) की गुत्थी को भीलवाड़ा पुलिस और साइबर सेल ने सुलझा लिया है। अफीम देने का लालच देकर जालौर के एक युवक को मांडलगढ़ बुलाया गया और फिर विश्वासघात करते हुए उसके ही दोस्त ने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर उसका गला रेत दिया। हत्यारों ने पहचान छिपाने के लिए पत्थर से उसका सिर कुचल दिया और 70 हजार रुपये व सोने के आभूषण लूटकर फरार हो गए। पुलिस ने इस जघन्य हत्याकांड में शामिल 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

दवा की शीशी से मिला सुराग, जालौर तक पहुंची पुलिस:

जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह ने बताया कि 18 अप्रैल 2026 को खंगारजी का खेड़ा में एक 2-3 दिन पुराना शव मिला था। मृतक का गला धारदार हथियार से कटा था और सिर पर भारी पत्थर पटका गया था। पुलिस को मृतक की पैंट की जेब से 'अर्बुदा फार्मेसी कामिनी विद्रावण रस' नामक दवाई की एक कांच की डिब्बी मिली। पुलिस जांच में यह दवा जालौर जिले के भीनमाल क्षेत्र की निकली। इसी अहम सुराग के आधार पर पुलिस टीम जालौर पहुंची और वहां की गुमशुदगियों से मिलान कर मृतक की शिनाख्त नगाराम (32) पुत्र भूराराम चौधरी (निवासी नया मोरसीम, थाना बागोडा, जिला जालौर) के रूप में की।

दिल्ली भाग गया था कातिल दोस्त:

मृतक की शिनाख्त होने के बाद पुलिस और साइबर सेल ने तकनीकी साक्ष्यों व कॉल डिटेल्स के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। सामने आया कि मृतक नगाराम का करीबी दोस्त किशनलाल ओड (निवासी बोलपुरिया, मांडलगढ़) 16 अप्रैल को मांडलगढ़ आया था और घटना के बाद तुरंत वापस दिल्ली भाग गया। पुलिस ने संदेह के आधार पर किशनलाल ओड को डिटेन कर मनोवैज्ञानिक तरीके से कड़ी पूछताछ की, तो उसने अपने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर हत्या करना कबूल कर लिया।

अफीम का लालच देकर बुलाया, ब्लेड से रेता गला:

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने नगाराम को अफीम देने का झांसा देकर और पैसे लेकर मांडलगढ़ बुलाया था। इसके बाद वे उसे खंगारजी का खेड़ा के जंगल में ले गए, जहां उन्होंने ब्लेड से उसका गला रेत दिया और सिर पर पत्थर पटक कर हत्या कर दी। आरोपियों ने मृतक की जेब से 70,000 रुपये नकद और कानों से सोने के लौंग (आभूषण) निकाल लिए।

ये 4 आरोपी हुए गिरफ्तार:

इस ब्लाइंड मर्डर केस में पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है: किशन ओड (18) पिता श्यामलाल, निवासी बोलपुरिया (मांडलगढ़), ईश्वर गाडिया लुहार (20) पिता रमेश, निवासी जापरपुरा (मांडलगढ़)

विनोद गाडिया लुहार (21) पिता पप्पूलाल, निवासी जापरपुरा (मांडलगढ़)

कमलेश माली (22) पिता तुलसीराम, निवासी बोलपुरिया (मांडलगढ़)

अष्टमी पर माँ घाटाराणी मंदिर के दान पात्र खुले, 1.82 लाख से अधिक राशि प्राप्त

स्मार्ट हलचल | जहाजपुर

अष्टमी तिथि (24 अप्रैल 2026) के पावन अवसर पर क्षेत्र के प्रसिद्ध माँ घाटाराणी मंदिर में मंदिर समिति द्वारा दान पात्र खोले गए। इस दौरान श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित दान राशि की गणना की गई, जिसमें कुल 1,82,893 की राशि प्राप्त हुई।

मंदिर समिति के अनुसार पहाड़ी स्थित मंदिर के दान पात्र से 49,675, नीचे मंदिर परिसर में सीढ़ियों के पास रखे दान पात्र से 98,576 प्राप्त हुए। इसके अलावा दुकान किराया मद से 2,100, बर्तन रसीद से 27,042 तथा विकास रसीद से 5,500 की आय हुई।

समिति सदस्यों ने बताया कि प्राप्त समस्त राशि मंदिर के विकास, रखरखाव एवं धार्मिक गतिविधियों में उपयोग की जाएगी। उन्होंने सभी दानदाताओं एवं श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके सहयोग को मंदिर के लिए महत्वपूर्ण बताया। अंत में श्रद्धालुओं ने 'जय माता दी' के जयकारों के साथ माँ घाटाराणी के प्रति अपनी गहरी आस्था प्रकट की।

सर्वाइकल कैंसर रोकथाम की दिशा मे एचपीवी वैक्सीन जागरूकता अभियान को मिली गति

कलेक्ट्रेट सभागार में पोस्टर विमोचन, 29 अप्रैल को एचपीवी विशेष टीकाकरण अभियान का होगा आयोजन–लक्षित बालिकाओं को लाभ दिलाने का किया आह्वान

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

जिले में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम एवं एचपीवी वैक्सीन के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में एचपीवी वैक्सीन पोस्टर का विमोचन अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन) रणजीत सिंह एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर (सिटी) प्रतिभा देवटिया द्वारा किया गया। इस पहल से जिले में चल रहे जागरूकता अभियान को नई गति मिली है।

इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन) रणजीत सिंह ने कहा कि एचपीवी वैक्सीन बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाने में अत्यंत प्रभावी है।

उन्होंने स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित जागरूकता गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के प्रयास समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाते हैं और अधिक से अधिक बालिकाओं को टीकाकरण से जोड़ने में सहायक सिद्ध होते हैं। उन्होंने बताया कि जिले में 29 अप्रैल को एचपीवी टीकाकरण का विशेष अभियान आयोजित किया जाएगा, जिसके तहत लक्षित आयु वर्ग की बालिकाओं को टीकाकरण का लाभ दिलाने के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास किए जाएंगे। अभिभावकों से भी अपील की गई कि वे अपनी बेटियों को इस अभियान से जोड़कर सुरक्षित भविष्य की दिशा में कदम बढ़ाएं।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव कुमार शर्मा ने एचपीवी वैक्सीनेशन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं के लिए यह टीका अत्यंत आवश्यक है, जिससे भविष्य में सर्वाइकल कैंसर के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। अभियान के सफलता के लिए जिला स्तर पर पूर्ण तैयारी की गई है साथ ही ब्लॉक स्तर पर चिकित्सा अधिकारियों व कार्मिकों को प्रशिक्षण सहित आवश्यक निर्देश भी दिए गए है

इस मौके पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद चंद्रभान सिंह भाटी, नगर विकास न्यास के ओएसडी चिमनलाल, सीडीईओ अरुणा गारू, कोषाधिकारी टीना रोलानियां सहित जिलेभर के विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मेडिकल स्टोर में लगी भीषण आग, लाखों का माल जलकर हुआ राख, शॉर्ट सर्किट की आशंका

स्मार्ट हलचल | पुनित चपलोत

भीलवाड़ा। शहर के महात्मा गांधी अस्पताल के पीछे माणिक्य नगर रोड पर स्थित एक मेडिकल स्टोर में गुरुवार शुक्रवार की मध्यरात्रि अचानक भीषण आग लग गई। दुकान के सामने खड़े रहने वाले एंबुलेंस ड्राइवरों जब दुकान से धुंआ और आग की लपटें निकलती देखी तो फायर ब्रिगेड को सूचित किया, सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची और करीब 2 से 3 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया । आग लगने से दुकान मालिक को करीबन लाखों रुपयों का नुकसान हुआ है।

मामला शहर के भीमगंज थाना क्षेत्र के महात्मा गांधी अस्पताल के पीछे का है ,मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार शुक्रवार की मध्यरात्रि करीब 2 बजे बजे के करीबन नमन मेडिकल स्टोर में अचानक आग लग गई।

आग लगने से दुकान में रखा मेडिकल स्टॉक जलकर राख हो गया,इस दौरान मेडिकल स्टोर में रखा फर्नीचर, कंप्यूटर और फ्रिज भी आग की चपेट में आने से जलकर नष्ट हो गए ।दुकान से धुंआ और आग की लपटें निकलती देखकर सामने एंबुलेंस ड्राइवर ने फायर ब्रिगेड को सूचित किया।सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और करीब 2 से 3 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया,तब तक दुकान में रखी सारी दवाइयां, फर्नीचर और अन्य उपकरण जलकर राख हो गए। प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट आग लगने का कारण माना जा रहा है।फिलहाल भीमगंज थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

नर्मदा तपस्या के धनी जगदीश शर्मा लौटे, भक्ति से आलोकित शाहपुरा

आज शाहपुरा पहुंचने पर होगा आत्मीय स्वागत, शहर को मिलेगा अनुभव और ज्ञान का प्रसाद

68 दिन की कठिन साधना ने गढ़ा दिव्य व्यक्तित्व, तीसरी परिक्रमा पूर्ण

स्मार्ट हलचल

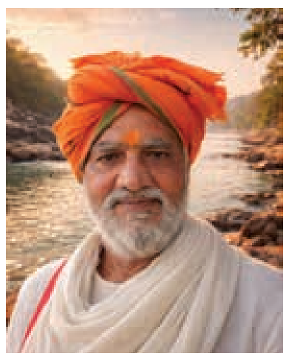

शाहपुरा। शाहपुरा नगर के लिए आज का दिन आध्यात्मिक उल्लास और गौरव से भरा हुआ है। नर्मदा मैया की पावन परिक्रमा तीन बार पूर्ण कर चुके जगदीश शर्मा आज 24 अप्रैल 2026, शुक्रवार को सायं 5 बजे डाक बंगला परिसर, भीलवाड़ा रोड, शाहपुरा पहुंच रहे हैं। उनके आगमन पर श्रद्धालुओं द्वारा सादगीपूर्ण, आत्मीय और भावनात्मक स्वागत समारोह आयोजित किया जाएगा, जहां नगरवासी उनके दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे।

आपको बता दे कि यह यात्रा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि 68 दिनों की कठोर तपस्या, त्याग, संयम और आत्मिक साधना का जीवंत उदाहरण है। 11 फरवरी को प्रारंभ हुई इस परिक्रमा में उन्होंने नर्मदा तट के दुर्गम मार्गों, जंगलों, गांवों और निर्जन क्षेत्रों को पार करते हुए हर परिस्थिति में श्रद्धा और संकल्प को बनाए रखा। तीसरी बार इस कठिन परिक्रमा को पूर्ण करना उनके अटूट विश्वास और आध्यात्मिक समर्पण को दर्शाता है।

परिक्रमा के दौरान उन्होंने प्रतिदिन नर्मदा मैया का स्मरण करते हुए मानस परिक्रमा, पावन स्नान, साधना और सात्विक जीवनशैली को अपनाया। कई बार विपरीत परिस्थितियां आई कभी कठिन मार्ग, कभी मौसम की चुनौती लेकिन हर चुनौती उनके विश्वास के आगे छोटी साबित हुई। इस यात्रा में उन्हें संतों का सान्निध्य, आश्रमों की सात्विक ऊर्जा और ग्रामीण अंचलों की सरलता का भी अनुभव मिला, जिसने उनके मन को और अधिक निर्मल बनाया।

परिक्रमा के अंतिम चरण में जब वे ओंकारेश्वर के निकट पहुंचे, तो भक्ति और भावनाओं का प्रवाह चरम पर था। निमाड़ क्षेत्र की पवित्र माटी में चलते हुए हर कदम शिवमय अनुभव दे रहा था। मांधाता पर्वत पर स्थित ओंकारेश्वर धाम पहुंचकर उन्होंने जल अर्पित किया, परिक्रमा पूर्ण की और कन्या पूजन के साथ इस दिव्य यात्रा को अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर पूर्णता प्रदान की। यह क्षण उनके जीवन का अत्यंत भावुक और अविस्मरणीय पड़ाव बन गया।

68 दिनों की इस साधना में उन्हें जो अनुभव प्राप्त हुए, वे केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि समाज के लिए भी प्रेरणास्रोत हैं। नर्मदा परिक्रमा ने उन्हें जीवन के गूढ़ सत्य सिखाए संयम, धैर्य, सेवा, प्रकृति के प्रति श्रद्धा और आत्मा की शुद्धि का मार्ग। उन्होंने अनुभव किया कि यह यात्रा केवल पैरों से नहीं, बल्कि मन और आत्मा से पूरी होती है।

अब उनके शाहपुरा आगमन के साथ ही यह आध्यात्मिक ऊर्जा नगर में प्रवाहित होने को तैयार है। उनके अनुभव, उनके विचार और उनकी साधना से प्राप्त ज्ञान निश्चित रूप से नगरवासियों के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होगा। युवा पीढ़ी को जहां जीवन में अनुशासन और लक्ष्य की प्रेरणा मिलेगी, वहीं बुजुर्गों को भक्ति और शांति का नया मार्ग मिलेगा।

विशेष बात यह है कि स्वागत समारोह को पूरी तरह सादगी और आत्मीयता के साथ आयोजित किया जा रहा है, ताकि उनकी तपस्या और सरलता की भावना अक्षुण्ण बनी रहे। भव्यता से अधिक भावनाओं को महत्व देते हुए यह आयोजन एक आध्यात्मिक मिलन का रूप लेगा।

जगदीश शर्मा की यह तीसरी नर्मदा परिक्रमा न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि पूरे शाहपुरा के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है। उनका यह संदेश स्पष्ट है कि यदि जीवन में दृढ़ निश्चय, श्रद्धा और समर्पण हो, तो कोई भी साधना असंभव नहीं। दआज उनका स्वागत केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि उस तप, त्याग और आध्यात्मिक चेतना का सम्मान है, जो समाज को नई दिशा देने की क्षमता रखती है।

कामिनी गुर्जर बनीं गुर्जर महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष

स्मार्ट हलचल| नई दिल्ली-उदयपुर

अखिल भारतीय गुर्जर महासभा द्वारा जारी आधिकारिक आदेश के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक पुरुषोत्तम पाटील की सहमति से श्रीमती कामिनी गुर्जर को अखिल भारतीय गुर्जर महिला महासभा का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति तीन वर्षों के लिए की गई है तथा तत्काल प्रभाव से लागू मानी जाएगी।

श्रीमती कामिनी गुर्जर को इस महत्वपूर्ण दायित्व पर नियुक्त किए जाने से गुर्जर समाज में हर्ष और उत्साह का माहौल है। उनकी नियुक्ति को गुर्जर समाज की महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

इस अवसर पर प्रो. बी. एस. रावत (राष्ट्रीय प्रवक्ता, अखिल भारतीय गुर्जर महासभा) ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कामिनी गुर्जर के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में देशभर की गुर्जर महिलाओं को सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक, आर्थिक एवं न्यायिक क्षेत्रों में नए अवसर प्राप्त होंगे।

रावत ने कहा कि दीपक पुरुषोत्तम पाटील (राष्ट्रीय अध्यक्ष) एवं बच्चू सिंह बैसला (राष्ट्रीय संगठन महामंत्री) सहित समस्त पदाधिकारियों ने जिस विश्वास औरजी आशा के साथ उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है, वह उस पर पूरी तरह खरी उतरेंगी और संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगी।

उन्होंने उम्मीद जताई कि कामिनी गुर्जर, मां पन्नाधाय और मां धोला गूजरी के आदर्शों पर चलते हुए समाज की बहनों और बेटियों के लिए नई मिसाल स्थापित करेंगी। साथ ही वे महिलाओं को प्रशासनिक एवं राजनीतिक भागीदारी के लिए प्रेरित कर समाज में उनकी भूमिका को और मजबूत करेंगी।

इस अवसर पर नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष कामिनी गुर्जर ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, वह उसे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाएंगी। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य गुर्जर समाज की महिलाओं को शिक्षा, आत्मनिर्भरता और नेतृत्व के क्षेत्र में आगे बढ़ाना होगा।

उन्होंने यह भी कहा कि वे समाज की हर बहन और बेटी को सशक्त बनाने के लिए ठोस योजनाएं तैयार करेंगी तथा उन्हें प्रशासनिक और राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करेंगी। कामिनी गुर्जर ने विश्वास जताया कि सभी पदाधिकारियों और समाज के सहयोग से संगठन को एक नई दिशा और गति मिलेगी।

यह नियुक्ति न केवल गुर्जर समाज के लिए बल्कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी एक सकारात्मक, प्रेरणादायक और दूरगामी प्रभाव डालने वाला कदम मानी जा रही है।

नवाचार संस्थान और पुलिस प्रशासन ने पांच बाल विवाह रुकवायें

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस के सहयोगी संगठन नवाचार संस्थान भीलवाड़ा के द्वारा एक्सेस टू जस्टिस फॉर चिल्ड्रन परियोजना के तहत भीलवाडा जिले में बाल विवाह के खिलाफ मजबूती से अभियान चलाते हुए यह सुनिश्चित करने में लगा है कि भीलवाडा जिले को जल्द से जल्द बाल विवाह मुक्त बनाया जाये, अबूझ सावो के तहत नवाचार संस्थान द्वारा भीलवाडा जिले के बडलियास थाना क्षेत्र के आकोला, खजीना व बनकाखेड़ा गांव से बाल विवाह की जानकारियां प्राप्त हुई, जिसकी जानकारी नवाचार संस्थान टीम द्वारा बड़लियास थानाधिकारी को दी गई, थानाधिकारी के निर्देशन पर सहायक उपनिरीक्षक प्यारचंद, मुकेश जाट श्रवण कुमार व उनकी टीम के साथ नवाचार संस्थान से जिला समन्वयक जितेंद्र सिंह तोमर, भगवत सिंह चारण उपस्थित रहे, थाना टीम के नेतृत्व में टीम द्वारा मौके पर जाकर नाबालिक बच्चों के उम्र संबंधित कागजात चैक किए जिस पर बच्चो की उम्र कम पाई गई, जिसमें आकोला में 2, खजीना में 1 व बनकाखेड़ा में 2 नाबालिग पाए गए, जिनकी शादी उनके परिजनों द्वारा करवाई जाने वाली थीं, थाने की टीम द्वारा सभी नाबालिग बच्चों का बाल विवाह रुकवाया गया और परिजनों को बाल विवाह न करने हेतु पाबंद किया व समझाइश दी, कि जब तक बच्चे बालिग नही हो जाते है तब तक उनकी शादी नही करेगे यह शपथ पत्र लेकर बाल विवाह न करने की समझाइश दी व हिदायत दी कि अगर आप अपने बच्चों की शादी नाबालिग उम्र में करते हैं तो आपके विरुद्ध बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आनंदीपुरा स्कूल में शिक्षा का उल्लासः प्रवेश उत्सव में 15 नन्हे बच्चों का कक्षा 1 में हुआ नव-प्रवेश

तिलक लगाकर और फूल-मालाओं से हुआ स्वागत, घर-घर जाकर किया गया था जागरूक

स्मार्ट हलचल|पाटन / बदनोर

निकटवर्ती ग्राम आनंदीपुरा स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ पर 'प्रवेश उत्सव' बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक जयराम गुर्जर के नेतृत्व में आयोजित इस विशेष नामांकन अभियान के पहले ही चरण में शानदार सफलता मिली है। विद्यालय की कक्षा 1 में 15 नए नन्हे विद्यार्थियों का दाखिला कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की गई है।

स्वागत की अनूठी पहल से खिले बच्चों के चेहरे:

विद्यालय का पहला दिन बच्चों के लिए खास बनाने के लिए शिक्षकों ने स्वागत की अनूठी पहल की। विद्यालय परिसर पहुँचने पर सभी नए नामांकित बच्चों का शिक्षकों द्वारा कुमकुम का तिलक लगाकर और फूल-मालाएं पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। अध्यापक दीपक पुनिया ने बच्चों को खेल-खिलौने और शिक्षण सामग्री वितरित की, जिससे नन्हे विद्यार्थी स्कूल के पहले दिन काफी खुश और उत्साहित नजर आए।

प्रवेश प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए अध्यापिका प्रेम देवी ने गांव में घर-घर जाकर सघन 'शाला प्रवेश' अभियान चलाया। उन्होंने अभिभावकों को राज्य सरकार द्वारा राजकीय विद्यालयों में दी जाने वाली निशुल्क सुविधाओं के बारे में जागरूक किया। इसमें पौष्टिक मिड-डे मील, निशुल्क यूनिफॉर्म और पाठ्यपुस्तकों आदि की विस्तार से जानकारी दी गई, जिससे प्रेरित होकर अभिभावकों ने बच्चों का प्रवेश सरकारी स्कूल में करवाया।

सरकारी स्कूलों के प्रति बढ़ा है विश्वासः

प्रधानाध्यापक जयराम गुर्जर ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में अब राजकीय विद्यालयों के प्रति अभिभावकों का विश्वास फिर से बढ़ रहा है। कक्षा 1 में 15 बच्चों का एक साथ प्रवेश विद्यालय के बेहतर अनुशासन, कुशल प्रबंधन और शैक्षणिक गुणवत्ता का परिणाम है। उन्होंने सभी अभिभावकों को विश्वास दिलाया कि इन बच्चों के सर्वांगीण विकास और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए विद्यालय प्रबंधन पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

लाडपुरा में पानी की किल्लत

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। कस्बे में करीबन दो तीन दिनों से चम्बल परियोजना के तहत लगाए गए पेयजल नल में पानी नहीं आ रहा हैं। नल में पानी नहीं आने के कारण कस्बे की महिलाएं पीने के पानी के लिए इधर-उधर भटकने को मजबूर हो रही है। कस्बे की महिलाओं ने जल्द ही पानी की आपूर्ति सुचारू करनी की मांग की है। वही वार्ड चार में सुबह और शाम को टाइम नल आते हैं और दूसरों वार्डों में सुबह एक टाइम भी समय पर नहीं आते हैं।

सेदरिया, गोविंदपुरा और गद्दीथोरियां सहित 6 जीएसएस आज रहेंगे बंद

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। शहर के विद्युत उपभोक्ताओं के लिए आज का दिन चुनौतीपूर्ण हो सकता है। अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (पवस-द्धद्ध) द्वारा रखरखाव और आवश्यक सुधार कार्य हेतु आज 25 अप्रैल 2026, शनिवार को शहर के प्रमुख हिस्सों में बिजली की कटौती (शटडाउन) की जाएगी।

6 घंटे प्रभावित रहेगी बिजलीः

सहायक अभियंता से प्राप्त जानकारी के अनुसार, शटडाउन सुबह 07:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक रहेगा। इस दौरान 33/11 के छह बड़े जीएसएस से निकलने वाले फीडरों की बिजली बंद रखी जाएगी।

प्रमुख प्रभावित क्षेत्रः

शहर के मुख्य बाजार व रोडः पाली बाजार, उदयपुर रोड, विजयनगर रोड, सेंडरा रोड और मसूदा रोड।

कॉलोनियांः हाउसिंग बोर्ड, गड्डी आशापुरा और तालाब की पाल क्षेत्र।

ग्रामीण व अन्य क्षेत्रः नून्दरी मालदेव, गोहाना, दुर्गावास, भोजपुरा, सनवा और किशनपुरा के आस-पास के इलाके।आवश्यक सेवाएंः फीडर बंद रहने से पानी की सप्लाई पर भी असर पड़ सकता है।विद्युत विभाग ने उपभोक्ताओं से आग्रह किया है कि वे इस समयावधि का ध्यान रखते हुए अपने बिजली और पानी से जुड़े आवश्यक कार्य समय रहते पूर्ण कर लें ताकि किसी असुविधा का सामना न करना पड़े।

बूंदी के जिला मुख्यालय के अस्पताल में केन्सर का उपचार हुआ आसान

स्मार्ट हलचल| बूंदी

जिला मुख्यालय के अस्पताल में केन्सर का उपचार भी आसान हो गया है। बूंदी में जिला अस्पताल में केन्सर यूनिट प्रभारी डाक्टर शाहिद ने बताया कि प्रमुख चिकित्सा अधिकारी की सक्रियता से अब ब्रेस्ट केन्सर का उपचार जिला मुख्यालय के अस्पताल में सम्भव हो पाया।

डॉक्टर शाहिद ने बताया कि ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित मरीज को trastuzumab इंजेक्शन लगाया जाता है जिसकी कीमत बाजार में 60,000 रुपए है। इस प्रकार के 18 इंजेक्शन 21 दिन के अन्तराल में ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित मरीज को लगाया जाता है जो हर कोई मरीज वहन नहीं कर पाता। आज इस इंजेक्शन को जिला अस्पताल की कैंसर यूनिट में बूंदी निवासी ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित प्रथम मरीज को निशुल्क लगाया गया है। जिला अस्पताल में कार्यरत जिला औषधि भंडार रवि शर्मा का, प्रमुख चिकित्सा अधिकारी एन एल मीणा के निर्देशानुस इस इंजेक्शन को मंगवाने में बहुत अच्छा सहयोग रहा है।साथ ही कैंसर यूनिट में कार्यरत फार्मासिस्ट रवि व जाकिर भाई का भी कैंसर यूनिट प्रभारी डॉक्टर शाहिद के निर्देशन में इस इंजेक्शन को लगाने में सहयोग रहा।

इससे अब साफ जाहिर होता है कि ब्रेस्ट कैंसर में किसी पीड़ित मरीज को इस महंगें इंजेक्शन के लिए इधर-उधर नहीं भटकना पड़ेगा ओर पीड़ित मरीज अपना इलाज जिला मुख्यालय बूंदी के अस्पताल मे निशुल्क करवा सकेगा।

निंबाहेड़ा के 25 हज यात्रियों का जत्था जयपुर एयरपोर्ट से रवाना

स्मार्ट हलचल|निंबाहेड़ा

धार्मिक आस्था, उत्साह और भावनाओं से सराबोर माहौल के बीच निंबाहेड़ा शहर के 25 हज यात्रियों का जत्था आज जयपुर एयरपोर्ट से मदीना शरीफ के लिए रवाना हुआ। हाजियों की यह 46 दिवसीय पवित्र यात्रा दोपहर 3 बजे जयपुर स्थित हज हाउस से बस द्वारा एयरपोर्ट पहुंचने के साथ प्रारंभ हुई।

बस में सवार होने से पूर्व हज हाउस परिसर में भावुक और आत्मीय दृश्य देखने को मिला। परिजन एवं शुभचिंतक अपने प्रियजनों को गले लगाकर विदा करते नजर आए, वहीं हाजियों को सुरक्षित, सफल और मकबूल हज की दुआओं के साथ रवाना किया गया। इस मौके पर हाजियों ने मुल्क की तरक्की, अमन-ओ-चैन, खुशहाली और कौमी एकता के लिए खुसूसी दुआएं करने का अहद भी जताया।

हजः आत्मिक शुद्धि और भाईचारे का प्रतीक – हाजी अख्तर पटेल

इस अवसर पर हज खिदमत कमेटी के सचिव हाजी अख्तर पटेल ने कहा कि हज इस्लाम का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, जो आत्मिक शुद्धि, त्याग और भाईचारे का प्रतीक है। उन्होंने सभी हाजियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस पवित्र यात्रा से लौटकर वे समाज में शांति, सद्भाव और एकता का संदेश प्रसारित करें।

बड़ी संख्या में गणमान्यजन एवं परिजन रहे उपस्थित

हाजियों की विदाई के दौरान शेख हाजी निजामुद्दीन, हज हाउस ऑपरेटर अरशद कुरैशी, राजस्थान शिया मुस्लिम महासभा के प्रदेश प्रवक्ता शान तकवी, हज खिदमत कमेटी निंबाहेड़ा के अध्यक्ष मतलूब अजमेरी, सचिव हाजी अख्तर पटेल, सलाहकार मोहम्मद फारूक छीपा, नायब सदर हाजी भूरू जागीरदार, अनीस अहमद शेख, इमरान खान, जमील खान उर्फ भाया बैट्री सहित बड़ी संख्या में परिजन एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे। सभी ने पूरे उत्साह और सम्मान के साथ हाजियों को विदाई दी।

10 वर्षों से सेवा में समर्पित हज खिदमत कमेटी

निंबाहेड़ा की हज खिदमत कमेटी पिछले लगभग 10 वर्षों से हाजियों की सेवा में निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रही है। कमेटी के सदस्य फ्लाइट से दो दिन पूर्व ही जयपुर हज हाउस पहुंचकर हाजियों की समस्त आवश्यक कागजी कार्यवाही पूर्ण कराते हैं, जिसमें रिपोर्टिंग, हज फार्म का सत्यापन एवं अन्य प्रक्रियाएं शामिल हैं। कमेटी द्वारा हाजियों को फ्लाइट वाले दिन ही जयपुर पहुंचने की सुविधा दी जाती है, जहां उन्हें उनके मूल दस्तावेज–पासपोर्ट, वीजा, टिकट आदि सौंपे जाते हैं। इससे हाजियों का समय बचता है और वे बिना किसी परेशानी के यात्रा पर प्रस्थान कर पाते हैं।

सेवा भाव के लिए हुआ सम्मान

हज खिदमत कमेटी निंबाहेड़ा द्वारा हज हाउस जयपुर में कार्यरत अरशद कुरैशी, आसिफ भाई, शान तकवी, हाजी निजामुद्दीन एवं सोहेल पंजतन का हाजियों की सेवा और मार्गदर्शन के लिए मेवाड़ी पगड़ी पहनाकर सम्मान किया गया।

वापसी 9 जून को जयपुर आगमन

हाजियों का यह जत्था अपनी पवित्र यात्रा पूर्ण कर 9 जून 2026 को जद्दा एयरपोर्ट से जयपुर लौटेगा, जहां परिजनों द्वारा उनका आत्मीय स्वागत किया जाएगा।

टेंट के पाइप भरकर खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुसी बाइक

सीने में पाइप धंसने से युवक गंभीर घायल

बेगूं। नगर के चेची मार्ग पर गुरुवार रात सड़क पर बिना संकेतक के खड़ी टेंट के पाइपों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा कर बाइक सवार गंभीर रुप से घायल हो गया। ट्रॉली से एक पाइप बाइक चालक की छाती में धंस गया। वहीं उसके साथ बैठ व्यक्ति भी घायल हो गया।

जानकारी के अनुसार नगर में गुरुवार रात देवरा बावड़ी के पास सड़क किनारे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली खड़ी थी, जिसमें टेंट लगाने के लोहे के पाइप भरे हुए थे। इसी दौरान मोटरसाइकिल पर अपने घर लौट रहे जूनी बेगूं निवासी दीपक खटीक और असलम पठान ट्रॉली के पिछले हिस्से में जा घुसे, भिड़ंत इतनी तेज थी कि एक पाइप दीपक खटीक के सीने में घुस गया। इस दौरान असलम पठान भी गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर भीड़ एकत्रित हो गई। आसपास के लोगों ने लोगों ने तुरंत पाइप का आधा हिस्सा काट कर दीपक को बेगूं उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे चित्तौड़गढ़ रेफर कर दिया गया। जानकारी में आया है कि ट्रैक्टर-ट्रॉली सड़क किनारे बिना इंडिकेटर या रिफ्लेक्टर के खड़ी थी, जो हादसे का कारण बन गई। दुर्घटना के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर लिया।

राजसमंद रोडवेजः गुरलां के यात्रियों से 'पुर' का किराया वसूल रहे परिचालक, यात्रियों को अतिरिक्त बोझ, सिस्टम की कमी या लापरवाही?

स्मार्ट हलचल

गुरला/ भीलवाड़ा। राजसमंद रोडवेज डिपो की बसों में इन दिनों 'अंधेर नगरी चौपट राजा' वाली कहावत चरितार्थ हो रही है। नेशनल हाईवे पर स्थित गुरलां बस स्टैंड पर बसों के ठहराव को लेकर यात्री और रोडवेज कर्मचारी आमने-सामने हैं। यात्रियों का आरोप है कि जयपुर मुख्यालय के स्पष्ट आदेशों के बावजूद राजसमंद डिपो की बसें यहां रुकने में आनाकानी कर रही हैं, और यदि यात्री बस में बैठ भी जाए तो उससे पिछले स्टॉपेज का किराया वसूला जा रहा है।

क्या है पूरा मामला?

गुरलां के ग्रामीणों और यात्रियों का कहना है कि जब वे गुरलां से बस में सवार होते हैं, तो परिचालक (कंडक्टर) उनसे पिछले स्टॉपेज पुर से टिकट काटते हैं। इसका कारण यह बताया जा रहा है कि रोडवेज की ईटीआईएम मशीन में गुरलां बस स्टैंड का नाम फीड नहीं है। इस तकनीकी खामी का खामियाजा आम यात्रियों को अतिरिक्त किराया देकर भुगतना पड़ रहा है।

मुख्य शिकायतें:

मुख्यालय के आदेश की अवहेलनाः जयपुर मुख्यालय द्वारा राजसमंद डिपो की बसों को गुरलां में ठहराव के आदेश दिए जा चुके हैं, फिर भी कई बसें हाईवे पर नहीं रुकतीं। राजसमंद डिपो के अलावा राज्य की अन्य डिपो की बसों का स्टोपेज होने के बावजूद भी गुरलां में रोडवेज बस नहीं रुकती है

गुरलां में राज्य के अन्य जिलों के डिपो का स्टोपेज पर ठहराव नहीं

गुरलां हाइवे 758 पर ही होने के बावजूद रोडवेज बस नहीं रुकती जबकि कई डिपो की बसों का स्टोपेज होने के बावजूद यात्रियों द्वारा बस को हाथ दिखाते ही रह जाते बस फर्राटे करते हुए निकल जाती है इस संबंध में शासन प्रशासन चिरनिंद्रा में है भीलवाड़ा डिपो मैनेजर भी जयपुर मुख्यालय के आदेश की पालना नहीं करवाते है

तकनीकी खामीः कंप्यूटर ईटीआईएम मशीन में गुरलां स्टैंड घोषित नहीं होने से टिकट बनाने में समस्या आ रही है।

कर्मचारियों का रवैयाः

यात्रियों का कहना है कि कर्मचारी जानबूझकर अनजान बन रहे हैं और उच्च अधिकारियों के आदेशों की पालना नहीं कर रहे हैं।

अतिरिक्त वित्तीय बोझः मशीन में नाम न होने के कारण परिचालक यात्रियों को पुर से टिकट थमा देते हैं, जिससे यात्रियों को उस दूरी का भी पैसा देना पड़ता है जो उन्होंने तय ही नहीं की। ग्रामीणों का कहना है कि यह सीधे तौर पर यात्रियों की जेब पर डाका है

यात्रियों की मांग

क्षेत्र के यात्रियों ने राजसमंद डिपो प्रबंधक से मांग की है कि इस मामले में तुरंत संज्ञान लिया जाए। ईटीआईएम मशीन में गुरलां स्टैंड को अपडेट करवाया जाए ताकि यात्रियों को सही स्थान का टिकट मिल सके और बसों का ठहराव सुनिश्चित हो। साथ ही भीलवाड़ा डिपो मैनेजर भी जयपुर मुख्यालय के आदेश की पालना करवाते हुए अन्य डिपो की बसों का ठहराव सुनिश्चित करावे।

ऐतिहासिक निर्णयः भवानीमण्डी के प्राचीन शिवालय मंदिर को 50 वर्ष बाद मिला अपनी भूमि पर मालिकाना हक

स्मार्ट हलचल

भवानी मंडी। उप खण्ड न्यायालय भवानीमण्डी द्वारा एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए नगर की आस्था के केंद्र 'शिवालय मंदिर' की भूमि को पुनः मंदिर के नाम दर्ज करने के आदेश जारी किए गए हैं। सेटलमेंट के दौरान हुई त्रुटि के कारण पिछले 50 वर्षों से यह भूमि पूर्व पुजारी परिवार के नाम दर्ज थी, जो कि राजस्थान काश्तकारी अधिनियम का स्पष्ट उल्लंघन है। यह प्रकरण अप्रैल 2024 में मंदिर संचालन ट्रस्ट द्वारा न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था। प्रतिवादीगण के संबंध में कोई जानकारी न होना एवं नोटिस तामील न हो पाने के कारण मामला लंबित था। वर्तमान उप खण्ड अधिकारी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित विधिक प्रक्रिया अपनाई और नोटिस तामील की कार्यवाही पूर्ण करवाकर तहसील से विस्तृत रिपोर्ट तलब की.

न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत साक्ष्यों और तहसीलदार पचपहाड़ द्वारा प्रस्तुत विस्तृत जांच रिपोर्ट के साथ तहसील के 'मंदिर माफी रजिस्टर' के सूक्ष्म अवलोकन से यह स्पष्ट हुआ कि मूल रूप से भूमि 'माफी बगीची मंदिर शिवजी' के नाम ही दर्ज थे। उक्त आराजी पर कालांतर से ही मंदिर स्थापित है उक्त भूमि पर कभी भी प्रतिवादीगण का न तो काश्त रहा और न ही कोई विधिक अधिकार। राजस्व अभिलेख में महत्वपूर्ण तथ्य यह सामने आया कि राजस्व अभिलेखों में इस भूमि की 'किस्म' आज दिनांक तक 'गैर मुमकिन मंदिर' ही चली आ रही है।

22 अप्रैल 2026 को पारित अपने आदेश में उप खण्ड अधिकारी सुश्री श्रद्धा गोमे ने न केवल भूमि मंदिर के नाम करने का निर्देश दिया, बल्कि भविष्य के लिए इस भूमि को किसी भी ट्रस्ट, संस्था या व्यक्ति द्वारा बेचा या हस्तांतरित किए जाने पर भी नियमानुसार पूर्णतः रोक लगा दी है। माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय ने भी अपने कई निर्णयों में यह दोहराया है कि: राज्य के प्रशासनिक अधिकारियों और न्यायालयों का यह विधिक दायित्व है कि वे नाबालिगों, दिव्यांगों और 'देवता' के हितों की रक्षा करें; क्योंकि कानूनन देवता को एक 'शाश्वत नाबालिग' माना गया है, जो कानून के विशेष संरक्षण के पात्र हैं।

शिवालय मंदिर न केवल भवानीमण्डी बल्कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की श्रद्धा का मुख्य केंद्र है। मंदिर परिसर में मुख्य मंदिर के अतिरिक्त अन्य देव स्थान है, जो सार्वजनिक धार्मिक आयोजनों के काम आता है। इस ऐतिहासिक जनहित निर्णय के बाद अब मंदिर की भूमि के खुर्द-बुर्द होने या किसी निजी हित में उपयोग होने का भय सदैव के लिए समाप्त हो गया है।

टोंक में भाजपा का शक्ति प्रदर्शनः 27 अप्रैल को राष्ट्रीय अध्यक्ष के दौरे को लेकर कार्यकर्ताओं में जोश

स्मार्ट हलचल

टोंक/उनियारा। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के 27 अप्रैल को प्रस्तावित टोंक दौरे को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में देवली-उनियारा विधायक राजेंद्र गुर्जर ने विधानसभा क्षेत्र के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की उनियारा कृषि उपज मंडी समिति परिसर में बैठक लेकर कार्यक्रम को सफल बनाने की रणनीति तय की।

बैठक में विधायक राजेंद्र गुर्जर ने कहा कि देवली-उनियारा क्षेत्र से अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाए, ताकि कार्यक्रम ऐतिहासिक बन सके।उन्होंने बताया कि कार्यकर्ता दिन-रात जुटकर आयोजन की तैयारियों में लगे हुए हैं। भाजपा जिला महामंत्री एवं विधानसभा प्रभारी प्रभु बाड़ोलिया ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद उनका यह राजस्थान में पहला दौरा है, ऐसे में सभी कार्यकर्ताओं को मिलकर कार्यक्रम को भव्य और यादगार बनाना है। उन्होंने बताया कि इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा टोंक जिला मुख्यालय पर भाजपा के नए कार्यालय का उद्घाटन किया जाएगा और कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया जाएगा। बैठक में एसटी मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष अमृतलाल मीणा, पूर्व नगर परिषद सभापति लक्ष्मी जैन, निवर्तमान देवली प्रधान बनवारी जाट, उनियारा शहर मंडल अध्यक्ष ममता साहू, ककोड़ मंडल अध्यक्ष महावीर गुर्जर, अलीगढ़ मंडल महावीर पालीवाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण मीणा, सत्यनारायण मीणा, अंकित डाबर, नारायण धाकड़, घांसी जैन सहित कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बस एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष मोतीराम आसवानी का निधन

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। शहर के सिंधी समाज के वरिष्ठ एवं शाहपुरा-विजयनगर बस एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष मोतीराम आसवानी का निधन हो गया। उनके निधन से समाज एवं परिवहन क्षेत्र में शोक की लहर छा गई है।

आसवानी के निधन के पश्चात उनकी अंतिम यात्रा फुलिया गेट स्थित मोक्ष धाम पहुंची, जहां पूरे श्रद्धा भाव के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान समाज के गणमान्य नागरिकों सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

पुत्र सोनी के अनुसार स्वर्गीय आसवानी का उठावना 26 अप्रैल, रविवार को सायं रखा गया है। वे अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं, जिसमें दो पुत्र सोनी एवं किशोर, पत्नी तथा एक पुत्री शामिल हैं। मोतीराम आसवानी अपने मिलनसार स्वभाव एवं सामाजिक सक्रियता के लिए जाने जाते थे। उनके निधन को समाज के लिए अपूरणीय क्षति माना जा रहा है।

नवग्रह तीर्थ पार्शवगिरी में उमड़ा आस्था का सैलाब, जन्म कल्याणक पर हुआ प्रभु का अभिषेक, हवन

स्मार्ट हलचल | बूंदी

दबलाना थाना क्षेत्र के रेण फार्म स्थित सुविवेकमति धाम पर आयोजित हो रहे श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र नवग्रह तीर्थ पावगिरी पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महा महोत्सव, विश्व शांति महायज्ञ के दूसरे दिन जन्म कल्याणक महा महोत्सव व अभिषेक व हवन कार्यक्रम आयोजित हुआ। जहां भक्ति और श्रद्धा का अनूठा संगम देखने को मिला। महोत्सव के तहत जन्म कल्याणक की मांगलिक क्रियाएं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुई।

जिसमें पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी, पंचायत समिति सदस्य अर्चना कंवर हाडा एवं दबलाना मण्डल अध्यक्ष हेमराज राठौर ने भाग लिया। अभिषेक से पूर्व समाज के लोगों ने पूरी अयोध्या नगरी में भव्य जुलूस निकाला। दोपहर में जन्म कल्याण की पूजन व हवन कार्यक्रम भगवान को पन्ना जुलाना सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुआ।

यह भव्य महा महोत्सव आचार्य ज्ञान भूषण म के आशीर्वाद, आर्यिका सुविवेक मती माताजी की प्रेरणा से आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में बालाचार्य निपुणनंदी महाराज का मंगल सानिध्य प्राप्त हो रहा है।

इस दौरान देवलाल गंगवाल, शैलेंद्र मारवाड़ा, बाबूलाल बरमूडा, कन्हैयालाल अग्रवाल, ज्ञानजी अग्रवाल, इंद्र कुमार जैन, बिरधीलाल छाबड़ा कमल सांवतगढ राजेश जैन, अशोक सावला, दिनेश जैन, टीकम जैन, लोकेश किराड़, अंकुर राठौर, शिव शंकर शर्मा, भंवरलाल जांगिड़ सहित कई समाजबंधु व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

काग्रेस ने उठाई चुनाव कराने की मांग

स्मार्ट हलचल | बूंदी

एक वर्ष से अधिक समय से लंबित पंचायत राज और नगर निकाय चुनाव करवाने की मांग को लेकर आज पंचायत राज दिवस के अवसर पर चुनाव कराओ लोकतंत्र बचाओ कार्यक्रम के तहत कांग्रेस जिला अध्यक्ष महावीर मीणा नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जल्द चुनाव करवाए जाने की मांग को लेकर जिला कलेक्टर को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा ।

कांग्रेस कार्यकर्ता आजाद पार्क नेहरू प्रतिमा के समक्ष एकत्रित हुए।कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष महावीर मीणा ने कहा कि संविधान के प्रावधानों के तहत सशक्त लोकतंत्र की मजबूती वह जनता की सत्ता में भागीदारी को सुनिश्चित करने के लिए समय पर चुनाव होने चाहिए। लेकिन सरकार चुनाव नहीं करवा कर लोकतांत्रिक प्रावधानों की हत्या कर रही है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अनुसूचित जाति कांग्रेस प्रकोष्ठ प्रदेश महासचिव डीके मेघवाल ने सरकार से जल्दी चुनाव करवाने की मांग की ओर कहा कि चुनाव नहीं होने से आमजन की भागीदारी प्रभावित हो रही है गांव का वह शहरों के स्थानीय निकायों के गठन के अभाव में विकास ठप्प हो गया है। इसके पश्चात कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर जिला कलेक्टर को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा ।

इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रामकरण मीणा, राजीव गांधी पंचायत राज प्रदेश संयोजक दीपक शर्मा, ओबीसी कांग्रेस जिला अध्यक्ष बृजमोहन यादव, ब्लॉक कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष बाबूलाल वर्मा, पूर्व पंचायत समिति सदस्य ओमप्रकाश, मुत्तलिफ अली, उमराव सिंह बंजारा, मदनलाल गुर्जर आदि मौजूद रहे।

दो पिकअप से 938 किलो डोडाचूरा जब्त, 3 गिरफ्तार

चित्तौड़गढ़। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो कोटा की टीम ने मुखबिर की सूचना पर कोटा-झालावाड़ रोड पर मंडाना टोल प्लाजा पर दो पिकअप में 52-52 बोरियों में लहसुन की आड़ में तस्करी किया जा रहा कुल 938 किलो से अधिक अफीम डोडाचूरा बरामद कर तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार सीबीएन कोटा की टीम ने उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुन्देल के मार्ग दर्शन में मुखबिर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए कोटा-झालावाड़ रोड पर मंडाना टोल प्लाजा पर आई दो पिकअप गाड़ियों को रोककर कार्यालय लाकर तलाशी ली गई, जिसमें दोनो पिकअप वाहनों में 52-52 बोरियों में लहसुन की आड़ में छुपाकर तस्करी किया जा रहा कुल 938 किलो 300 ग्राम अफीम डोडाचूरा मिला, जिसे वाहनों सहित जब्त कर सीबीएन टीम ने नपावली तहसील भदेसर निवासी साहिल (20) पुत्र आसिफ खान, महमूद (38) पुत्र भूरे खान और शाकिर (24) पुत्र मुश्ताक खान को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया। सीबीएन द्वारा तस्करी के इस पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच की जा रही है।

लाठी-पत्थरों से पीटकर युवक की हत्या

चित्तौड़गढ़। जिले के निम्बाहेड़ा कोतवाली कोतवाली थाना क्षेत्र के बरखेड़ा गांव में बीती रात दो व्यक्तियों ने लाठी व पत्थरों से हमला कर एक युवक की हत्या कर दी। पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए दोनो आरोपियों को हिरासत में ले लिया है।

जानकारी के अनुसार बागदीराम भील निवासी बरखेड़ा गुरुवार शाम गांव के खाल के पास था, जहां उसी के गांव के श्यामलाल भील और राधेश्याम भील ने किसी बात को लेकर उस पर लाठी और पत्थरों से हमला कर दिया, जिससे वह गम्भीर रुप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और उसे निम्बाहेड़ा जिला चिकित्सालय पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

गर्मियों में यात्रियों को राहत – कोटा मंडल से गुजरने वाली 10 रेल सेवाओं में अस्थाई कोच वृद्धि

गर्मी की छुट्टियों को देखते हुए रेलवे ने की अग्रिम व्यवस्था

स्मार्ट हलचल | कोटा

गर्मियों की छुट्टियों के दौरान अतिरिक्त यात्री भार को दृष्टिगत रखते हुए रेल प्रशासन द्वारा कोटा मंडल से होकर गुजरने वाली 10 रेलसेवाओं में विभिन्न श्रेणियों के अतिरिक्त डिब्बों की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है। यह व्यवस्था मई 2026 के दौरान प्रभावी रहेगी, जिससे कोटा मंडल के यात्रियों को सीटें उपलब्ध कराने में सुविधा होगी।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ जैन ने बताया कि निम्नलिखित रेलसेवाओं में अस्थाई डिब्बा वृद्धि की जा रही है –

1. गाड़ी सं. 12465/12466 – इंदौर-भगत की कोठी-इंदौर (रणथम्भौर एक्सप्रेस) इस रेलसेवा में इंदौर से दिनांक 02.05.2026 से 01.06.2026 तक तथा भगत की कोठी से दिनांक 03.05.2026 से 02.06.2026 तक 02 द्वितीय शयनयान एवं 03 सामान्य श्रेणी डिब्बों की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है। 2. गाड़ी सं. 12495/12496 – बीकानेर-कोलकाता-बीकानेर (प्रताप एक्सप्रेस) इस रेलसेवा में बीकानेर से दिनांक 07.05.2026 से 28.05.2026 तक तथा कोलकाता से दिनांक 08.05.2026 से 29.05.2026 तक 01 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी एवं 01 शयनयान श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है। (नामित दिवसों पर) 3. गाड़ी सं. 12987/12988 – अजमेर-सियालदाह-अजमेर एक्सप्रेस इस रेलसेवा में अजमेर से दिनांक 01.05.2026 से 31.05.2026 तक तथा सियालदाह से दिनांक 02.05.2026 से 01.06.2026 तक 01 फर्स्ट कम सेकंड वातानुकूलित श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है। 4. गाड़ी सं. 14853/14854 – जोधपुर-वाराणसी सिटी-जोधपुर (मरुधर एक्सप्रेस) इस रेलसेवा में जोधपुर से दिनांक 01.05.2026 से 31.05.2026 तक तथा वाराणसी सिटी से दिनांक 02.05.2026 से 01.06.2026 तक 01 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है। (नामित दिवसों पर) 5. गाड़ी सं. 14863/14864 – जोधपुर-वाराणसी सिटी-जोधपुर (मरुधर एक्सप्रेस) इस रेलसेवा में जोधपुर से दिनांक 01.05.2026 से 31.05.2026 तक तथा वाराणसी सिटी से दिनांक 02.05.2026 से 01.06.2026 तक 01 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है। (नामित दिवसों पर) 6. गाड़ी सं. 14865/14866 – जोधपुर-वाराणसी सिटी-जोधपुर (मरुधर एक्सप्रेस) इस रेलसेवा में जोधपुर से दिनांक 01.05.2026 से 31.05.2026 तक तथा वाराणसी सिटी से दिनांक 02.05.2026 से 01.06.2026 तक 01 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है। (नामित दिवसों पर) 7. गाड़ी सं. 20471/20472 – श्रीगंगानगर-पुरी-श्रीगंगानगर एक्सप्रेस इस रेलसेवा में श्रीगंगानगर से दिनांक 03.05.2026 से 31.05.2026 तक तथा पुरी से दिनांक 06.05.2026 से 03.06.2026 तक 01 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है। (नामित दिवसों पर) 8. गाड़ी सं. 20481/20482 – भगत की कोठी-तिरुचिरापल्ली-भगत की कोठी (हमसफर एक्सप्रेस) इस रेलसेवा में भगत की कोठी से दिनांक 06.05.2026 से 27.05.2026 तक तथा तिरुचिरापल्ली से दिनांक 09.05.2026 से 30.05.2026 तक 01 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है। (नामित दिवसों पर) 9. गाड़ी सं. 22987/22988 – अजमेर-आगराफोर्ट-अजमेर सुपरफास्ट एक्सप्रेस इस रेलसेवा में दिनांक 01.05.2026 से 31.05.2026 तक 02 सामान्य श्रेणी डिब्बों की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है। 10. गाड़ी सं. 54793/54794 – मथुरा-सवाई माधोपुर-मथुरा पैसेंजर इस रेलसेवा में मथुरा से दिनांक 03.05.2026 से 02.06.2026 तक तथा सवाई माधोपुर से दिनांक 04.05.2026 से 03.06.2026 तक 03 द्वितीय सामान्य श्रेणी डिब्बों की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है।

गाड़ियों की अद्यतन स्थिति की जानकारी हेतु राष्ट्रीय रेल पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in अथवा एनटीईएस ऐप का उपयोग करें।

केंद्रीय विद्यालय बूँदी में हर्षोल्लास के साथ मनाया 'विद्या प्रवेश' कार्यक्रम

स्मार्ट हलचल | बूंदी

केंद्रीय विद्यालय बूँदी में आज नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 के उपलक्ष्य में कक्षा प्रथम के नव-प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए 'विद्या प्रवेश' (प्रवेशोत्सव) कार्यक्रम का उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य श्री यू. एस. विजय द्वारा नवागंतुक विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों के हार्दिक स्वागत के साथ हुआ। उन्होंने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को विद्यालय की विविध गतिविधियों एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नन्हे विद्यार्थियों के स्वागत के क्रम में सुश्री आँचल गुप्ता द्वारा सभी बच्चों का तिलक लगाकर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक नृत्य प्रस्तुतियाँ दीं, जिससे विद्यालय परिसर का वातावरण आनंदमय एवं उल्लासपूर्ण हो उठा।

इसके उपरांत विद्यार्थियों को विद्यालय की कक्षाओं एवं परिसर का भ्रमण कराया गया, ताकि वे नए वातावरण से सहज रूप से परिचित हो सकें। कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षक श्री लेखराज गुर्जर द्वारा किया गया। समापन के अवसर पर श्री अरविंद मीना ने सभी बच्चों को उपहार वितरित किए। अपनी शैक्षणिक यात्रा के प्रथम दिवस पर उपहार पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे और वे अत्यंत उत्साहित दिखाई दिए।

घाटे से लाभ तक का सफर, अब सामाजिक सरोकार में भी आगे कोटा सरस संघ

सहायता कोष दोगुना, बेटियों के विवाह पर मिलेगी आर्थिक संबल – चैनसिंह राठौड़

कोटा सरस दुग्ध संघ का जनहितकारी कदम, सहायता कोष 1 लाख तक बढ़ा,मायरे में बनेगा सहयोगी

बोर्ड के तीन वर्षपूर्ण होने पर सम्मान समारोह आयोजित,माला व साफा पहनाकर किया बोर्ड सदस्य को सम्मानित

स्मार्ट हलचल | कोटा

सहकारिता के साथ संवेदनशीलता का उदाहरण पेश करते हुए कोटा-बूंदी जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि. की बोर्ड बैठक शुक्रवार को सरस सभागार में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता चेयरमैन चैनसिंह राठौड़ ने की, जबकि प्रबंध निदेशक दिलखुश मीणा ने कार्यवाही संचालन किया। बैठक में आरसीडीएफ प्रतिनिधि सहित संचालक मंडल के सभी सदस्य मौजूद रहे।

बैठक में संघ की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की गहन समीक्षा करते हुए दुग्ध क्रय-विक्रय दरों में संशोधन की पुष्टि सहित कुल नौ अहम प्रस्तावों पर चर्चा कर निर्णय लिए गए। इस दौरान बोर्ड ने ऐतिहासिक और मानवीय पहल करते हुए सचिव सहायता कोष की राशि 50 हजार रुपये से बढ़ाकर सीधे 1 लाख रुपये करने का निर्णय लिया। यह सहायता राशि अध्यक्ष/सचिव के निधन पर परिजनों को उपलब्ध कराई जाएगी।

इसके साथ ही सामाजिक सरोकार निभाते हुए बोर्ड ने यह भी तय किया कि समिति के सचिव/अध्यक्ष की पुत्री के विवाह पर कोटा दुग्ध संघ परिवार की ओर से 21 हजार रुपये की राशि एफडी/डीडी के रूप में कन्या के नाम मायरे के रूप में भेंट की जाएगी। यह उसी समिति को प्राप्त होगा जो संघ को नियमित दुग्ध देती है।

बैठक के अवसर पर चेयरमैन चैनसिंह राठौड़ के सफल तीन वर्ष पूर्ण होने पर पूरे बोर्ड का अभिनंदन किया गया। राठौड़ को साफा व माला पहनाकर सम्मानित किया गया, वहीं एमडी दिलखुश मीणा सहित सभी सदस्यों का भी सम्मान किया गया।

अपने संबोधन में राठौड़ ने तीन वर्षों की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि घाटे में चल रही संस्था को लाभ की स्थिति में लाया गया है। दुग्ध उत्पादक किसानों को बेहतर मूल्य दिलाए गए और उनका भुगतान 15 दिनों के भीतर सुनिश्चित किया गया। साथ ही उपभोक्ताओं पर भार न बढ़े, इसका ध्यान रखते हुए दुग्ध दरों में वृद्धि नहीं की गई। उन्होंने बताया कि समय-समय पर किफायती एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पाद बाजार में उतारे गए हैं तथा क्यूआर कोड प्रणाली के माध्यम से उपभोक्ताओं को शुद्धता की गारंटी भी दी जा रही है।

बैठक में उपस्थित सदस्यः

चैनसिंह राठौड़ (अध्यक्ष), दिलखुश मीणा (प्रबंध निदेशक), सुधांशु गुर्जर (आरसीडीएफ प्रतिनिधि), गौरी शंकर, धनराज सैनी, जोधराज मीणा, बनवारी लाल नागर, माया किराड़, हरनाथ मीणा, रामेश्वर, फोरंता बाई, शैतान गुर्जर।

30 प्रशिक्षणार्थियों का तीन कंपनियों में हुआ चयन, युवाओं के खिले चेहरे

स्मार्ट हलचल | लाखेरी

कस्बे की राजकीय आईटीआई संस्थान सहायक निदेशक धर्मराज मीणा ने बताया कि स्थानीय आईटीआई परिसर में तीन निजी कंपनियों द्वारा केम्पस प्लेसमेंट का आयोजन किया गया है, जिसमें जेसीबी इंडिया लिमिटेड कंपनी जयपुर द्वारा 14 प्रशिक्षणार्थियों को चयनित किया गया, टाटा मोटर्स व्हीकल पेसेंजर गुजरात कंपनी द्वारा 9 प्रशिक्षणार्थियों का चयन किया गया और वरूण बेवरेज लिमिटेड कापरेन द्वारा 7 प्रशिक्षणार्थियों को चयनित किया गया। प्लेसमेंट केंप में समस्त व्यवसायों के अभ्यर्थियों ने भाग लिया, कड़ी चयन प्रक्रिया के बाद कुल 30 योग्य अभ्यर्थियों का चयन कंपनियों द्वारा किया गया और उन्हें कंपनी में नियुक्ति हेतु पत्र एवं ई-मेल के माध्यम से सूचना दी गई। संस्थान सहायक निदेशक धर्मराज मीणा ने चयनित अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। युवा मोर्चा जिला मंत्री लक्की शर्मा एवं युवा मोर्चा जिला प्रभारी राकेश शर्मा ने प्राचार्य धर्मराज मीणा के आईटीआई में नवाचार, आईटीआई में कराई गई विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के बारे में जो छात्रों के हित में है, उसके लिए प्राचार्य को बधाई दी एवं

लाखेरी राजकीय आईटीआई को संभाग में द्वितीय स्थान पर पहुंचाने श्रेय प्राचार्य को दिया।

महुवा में मां जसोदा वृद्धाश्रम का विधायक राजेंद्र मीणा ने किया उद्घाटन लोकार्पण

वृद्ध जनों की सेवा ईश्वर सेवा है विधायक राजेंद्र मीणा

स्मार्ट हलचल

महुवा। मां जसोदा सेवा संस्थान एवं चेरीबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित श्रीनाथजी मूर्तिप्राण प्रतिष्ठा समारोह एवं मां जसोदा वृद्धाश्रम उद्घाटन महोत्सव के तहत प्रथम दिन गुरुवार को भक्ति और उत्साह के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई वहीं शुक्रवार को माँ जसोदा सेवा संस्थान एवं चेरिटेबल ट्रस्ट पाली रोड महुवा द्वारा संचालित वृद्धाश्रम का विधिवत उद्घाटन एवं लोकार्पण समारोह के मुख्य अतिथि महुवा विधायक राजेंद्र मीणा समारोह में विशिष्ट अतिथि उपमहानिरीक्षक पुलिस सोनीपत, गिरीश कुमार गर्ग पूर्वी राजस्थान अध्यक्ष अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन एवं जगदीश अग्रवाल जिला अध्यक्ष अग्रवाल सम्मेलन दौसा समाजसेवी पूर्व सरपंच रामनिवास गोयल सहित अन्य अतिथियों ने बंसल परिवार के साथ फीता काटकर किया

इस अवसर पर विधायक राजेंद्र मीणा ने कहा कि सब प्रथम में माँ जसोदा सेवा संस्थान एवं चेरिटेबल ट्रस्ट, महुवा के ट्रस्टी प्रहलाद कुमार बंसल एवं श्रीमती पुष्पा देवी बंसल सहित पूरे बंसल परिवार का नमन करते हुए धन्यवाद ज्ञापित करता हूं कि उनके द्वारा स्थापित एवं संचालित मां जसोदा वृद्धाश्रम के शुभारंभ एवं मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता

का सौभाग्य मुझे प्राप्त हुआ है इस पावन अवसर पर उपस्थित सभी गणमान्यजन, समाजसेवी साथियों एवं क्षेत्रवासियों के साथ मिलकर वरिष्ठजनों की सेवा एवं सम्मान के इस पुनीत कार्य का साक्षी बनना हम सबके लिए अत्यंत गौरवपूर्ण है।

विधायक राजेंद्र मीणा ने कहा कि वृद्धो की सेवा ईश्वर की सेवा है वृद्ध आश्रम एक भवन नहीं बल्कि वृद्धाश्रम जैसे सेवा केंद्र हमारे समाज की संवेदनशीलता, संस्कार और कर्तव्यबोध का प्रतीक हैं। हम सभी का दायित्व है कि अपने बुजुर्गों को सम्मान, स्नेह और सुरक्षित वातावरण प्रदान करें।

इस अवसर पर सोनीपत के पुलिस उप महानिरीक्षक राजेंद्र मीणा ने माँ जसोदा सेवा संस्थान एवं ट्रस्ट के सभी सदस्यों को इस सराहनीय पहल के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुझे विश्वास है कि यह सेवा कार्य निरंतर समाज को प्रेरित करता रहेगा। ऐसे सेवा संस्थान जगह जगह भामाशाहों की मदद से खुलने चाहिए।

इस अवसर पर मां जसोदा सेवा संस्थान एवं चेरिटेबल ट्रस्ट पाली रोड महुवा के ट्रस्टी पृहलाद कुमार बंसल ने बताया कि मां जसोदा वृद्ध आश्रम का उद्देश्य निराश्रित एवं बुजुर्ग लोगों को सम्मानपूर्वक आश्रय प्रदान करना है। आयोजकों का कहना है कि यह वृद्ध आश्रम समाज के उन बुजुर्गों के लिए समर्पित रहेगा जिन्हें अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में देखभाल और अपनत्व की आवश्यकता होती है इसके साथ यहां एक गौशाला भी खोली गई है।

यह दो दिवसीय धार्मिक आयोजन के साथ समाज सेवा का यह संगम क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

इस अवसर पर पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष विमल जैन, बलराम सत्संग मंडल के विष्णु सांवरिया, अपना घर सेवा समिति महुवा के अध्यक्ष नेमीचंद खेडली वाले, प्रेमचंद गोयल, महुवा प्रेस क्लब के अध्यक्ष गोपुत्र अवधेश अवस्थी,श्याम भक्त मंडल के राकेश केसरी, योगेंद्र गोयल, डैनी सोनी, बंसल परिवार के दिनेश चंद्र, मुकुट बिहारी, पुरुषोत्तम, गणेश, राजेश, पवन, राम, श्याम, सोनू, हेमंत, नितेश, मयंक, आर्यन, आयुष, कृश, चरित, मानस बंसल सहित सैकड़ो गणमान्य नागरिक महिला पुरुष मौजूद रहे।

सामोद में सरकारी भूमि पर अतिक्रमण की कोशिश, भू-खनन माफिया का बढ़ता दुस्साहस

स्मार्ट हलचल | जयपुर (सामोद)

सामोद क्षेत्र में वन भूमि पर अवैध पेड़ों की कटाई के साथ अब सरकारी जमीन पर अतिक्रमण की कोशिश का मामला भी सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि भू-माफिया और खनन माफिया मिलकर इस भूमि पर कब्जा करने की साजिश रच रहे हैं। जानकारी के अनुसार, संबंधित भूमि वन विभाग के नाम दर्ज है, जबकि कुछ हिस्से जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) के रिकॉर्ड में 'गैर मुमकिन पहाड़' के रूप में अंकित हैं। इसके बावजूद, माफियाओं द्वारा लगातार पेड़ों की कटाई कर जमीन को समतल किया जा रहा है, ताकि उस पर अवैध कब्जा किया जा सके। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पूरी कार्रवाई सुनियोजित तरीके से सरकारी भूमि को हड़पने के उद्देश्य से की जा रही है। ग्रामीणों में इस घटनाक्रम को लेकर भारी आक्रोश है। विरोध स्वरूप वीर हनुमानजी मंदिर से सामोद रोड तक एक विशाल रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की।

प्रदर्शनकारियों ने मांग की है कि सरकारी भूमि पर हो रहे अतिक्रमण के प्रयासों को तुरंत रोका जाए, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर पूर्ण रोक लगाई जाए। साथ ही, उन्होंने कटे हुए पेड़ों के स्थान पर पुनः वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करने की भी मांग रखी है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने जल्द कार्रवाई नहीं की, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। फिलहाल प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम सामने नहीं आने से लोगों में रोष लगातार बढ़ता जा रहा है।

लोकसभा अध्यक्ष बिरला और ऊर्जा मंत्री नागर देंगे सौगात

सांगोद में 150 करोड़ के विकास कार्यों का शिलान्यास आज

स्मार्ट हलचल

सांगोद। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर शनिवार को सांगोद क्षेत्र को नवीन विकास कार्यों की सौगात देंगे। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए मण्डल अध्यक्ष मुरारी मेहता, चंद्रप्रकाश सोनी और राजेश शर्मा ने बताया कि समारोह लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के मुख्य आतिथ्य एवं राजस्थान सरकार के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर की गरिमामयी उपस्थिति में 4 बजे बपावर रोड स्थित गायत्री चौराहा के मेला ग्राउंड में आयोजित होगा।

उन्होंने बताया कि इस अवसर पर क्षेत्र की जनता को कुल 150 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात मिलेगी। इसमें प्रमुख रूप से चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ करने हेतु 35 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला 100 बेड क्षमता का काशीपुरी उप जिला चिकित्सालय शामिल है। इसके साथ ही, क्षेत्र की कनेक्टिविटी सुधारने के लिए कालीसिंध नदी पर 70 करोड़ रुपये की लागत से उच्चस्तरीय पुल का निर्माण और 45 करोड़ रुपये की लागत से कुराड़-ढोटी-कन्दाफल-मण्डाप-श्यामपुरा सड़क के सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ाईकरण कार्य का शिलान्यास किया जाएगा।

चारनेट में श्री दर्रा बालाजी मंदिर निर्माण का शुभारंभ
2 करोड़ की लागत से भव्य मंदिर की नींव रखी गई

स्मार्ट हलचल

घाड़ (देवली)। चारनेट के प्रसिद्ध दर्रा स्थल पर शुक्रवार को श्री दर्रा बालाजी महाराज के भव्य मंदिर निर्माण का शिलान्यास संपन्न हुआ। लगभग 2 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से बनने वाले इस मंदिर के भूमि पूजन कार्यक्रम में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः काल पुरानी स्कूल भवन स्थित श्री रामदेव जी मंदिर से भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ। डीजे की भक्ति धुनों और जयकारों के बीच शोभायात्रा मुख्य बाजार से होते हुए मंदिर प्रांगण पहुंची। यजमान को घोड़ी पर विराजित कर गाजे-बाजे के साथ कार्यक्रम स्थल तक लाया गया, जिससे पूरा क्षेत्र धर्ममय हो गया।

मंदिर की नींव का पावन पत्थर गुराई निवासी आचार्य पंडित ब्रजमोहन शर्मा के सान्निध्य में विधिवत मंत्रोच्चार के साथ 'अग्नि कोण' में स्थापित किया गया। शास्त्रानुसार इस दिशा में नींव स्थापना को अत्यंत मंगलकारी माना जाता है। इस दौरान भक्तों ने अपने घरों से लाई गई पवित्र मिट्टी, ईंट और पत्थर नींव में अर्पित कर इस पुनीत कार्य में अपनी सहभागिता निभाई। आस्था के इस महोत्सव में दानदाताओं ने बढ़-चढ़कर सहयोग किया। मंदिर निर्माण के लिए एक भक्त द्वारा 11 लाख का गुप्त दान दिया गया। वहीं, नींव में पवित्र पत्थर स्थापित करने का सौभाग्य 2,11,000 की सर्वोच्च बोली लगाकर ग्राम कोटड़ा निवासी बसंत चौधरी ने प्राप्त किया।

अन्य प्रमुख दानदाताओं में बजरंग लाल (बासेड़ा) एवं साथी ने 51,000, रामप्रसाद जाट (खातीपुरा) ने 11,000, शिव शक्ति परिवार (साखणा) ने 10,000, मोहन लाल मीणा (चारनेट) ने 16,000 और ताराचंद विजयवर्गीय (टोंक) ने 15,000 का दान दिया।

समिति के सचिव लड्डू लाल मीणा ने बताया कि इस ऐतिहासिक अवसर पर चारनेट के प्रत्येक घर में लड्डू बांटकर प्रसाद वितरित किया गया। मंदिर निर्माण का संकल्प समस्त ग्रामवासियों और आस-पास के क्षेत्रों के सहयोग से पूरा किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन में चारनेट सहित गैरोटी, कोटड़ा, बहलडी, अगरिया, इन्दौदा, केदारा, पालगंज और नानकपुरा के सकल पंच एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थत रहे। भविष्य में यह मंदिर क्षेत्र की धार्मिक पहचान और आस्था का प्रमुख केंद्र बनेगा।

ऊकरूंद में सत्ती माता मंदिर पर जागरण आज, छप्पन भोग का आयोजन

स्मार्ट हलचल

मंडावर (दौसा)। उपखंड क्षेत्र के समीप ग्राम पंचायत ऊकरूंद में नवमी के पावन अवसर पर स्थित सत्ती माता मंदिर पर आज भव्य धार्मिक आयोजन किया जाएगा। पूरे गांव में श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना हुआ है।

ग्रामीणों के अनुसार, इस अवसर पर गांववासी मिलकर छप्पन प्रकार के मिष्ठान तैयार करेंगे और सत्ती माता को भोग अर्पित करेंगे। इसके साथ ही सुबह करीब 9 बजे से जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेंगे।

ग्रामीणों द्वारा बताया जाता है कि सत्ती माता से जुड़ी यह कथा करीब 150 साल पुरानी है। मान्यता के अनुसार, सरावली गांव की एक कुंवारी लड़की हरि घास लेने ऊकरूंद आई थी। वहीं एक स्थानीय युवक भैंस चरा रहा था। घास के भरोटे को उठाने में मदद करते समय युवक को सांप ने डस लिया।

बताया जाता है कि लड़की अपने गांव सरावली पहुंची, लेकिन तुरंत वापस ऊकरूंद आई और श्मशान घाट पर ग्रामीणों को पूरी घटना बताई। इसके बाद उसने सत्ती होने का निर्णय लिया। ग्रामीणों के काफी समझाने के बावजूद वह नहीं मानी और अंततः युवक को गोद में लेकर सत्ती हो गई।

आज भी जीवित है आस्था

इस घटना के बाद से ही ऊकरूंद और सरावली गांव के लोग सत्ती माता को पूजते आ रहे हैं। दोनों गांवों के बीच गहरी धार्मिक आस्था जुड़ी हुई है। परंपरा के अनुसार, दोनों गांवों के बीच एक विशेष सामाजिक मर्यादा भी बनी हुई है, जिसके चलते आपसी वैवाहिक रिश्ते नहीं किए जाते।आज के इस भव्य आयोजन को लेकर गांव में उत्साह का माहौल है और श्रद्धालु सत्ती माता के दर्शन व भक्ति में लीन रहने को तैयार रहते हैं।

पंचकर्म आयुर्वेद चिकित्सा शिविर में 178 मरीजों लाभान्वित

उदयपुर। वैद्य भवानी शंकर राजकीय आयुर्वेद औषधालय सुंदरवास में पांच दिवसीय निःशुल्क पंचकर्म आयुर्वेद चिकित्सा शिविर शुक्रवार को सम्पन्न हुआ। शिविर में कुल 178 रोगियों को पंचकर्म चिकित्सा तथा 106 रोगियों की फिजियोथेरेपी की। पंचकर्म चिकित्सा विधियों के अंतर्गत कटि बस्ती से 53, ग्रीवा बस्ती से 35, जानु बस्ती से 90, नस्य कर्म से 9 तथा बालुका स्वेद से 12 रोगियों का उपचार किया गया। विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में मरीजों का उपचार किया गया। शिविर में वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्साधिकारी डॉ. सरोज मेनारिया, पंचकर्म विशेषज्ञ डॉ. नितिन सेजु, फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. हर्षिता सनाढ्य, वरिष्ठ कंपाउंडर प्रदीप व्यास, पंचकर्म थेरेपिस्ट चंद्रेश परमार, मयंक पलसानिया एवं नर्सिंग स्टाफ वंदना शक्तावत, चेतना नागदा, पुष्पा चाष्टा तथा हेमंत गोरखा ने सेवाएं दी।

जैन दिवाकर भवन में लिफ्ट व डोम निर्माण का भूमि पूजन

निम्बाहेड़ा। नगर के आदर्श कॉलोनी स्थित जैन दिवाकर भवन में शुक्रवार को महासती कुमुदलता के सानिध्य में लिफ्ट निर्माण एवं भोजनशाला डोम निर्माण हेतु भूमि पूजन किया गया।

इस मौके पर धर्मसभा को संबोधित करते हुए साध्वी कुमुदलता ने कहा कि यह नगरी जैन दिवाकर महाराज के प्रति पूर्ण समर्पित है, जहां प्रत्येक आयोजन गुरु के नाम से ही सम्पन्न होता है। उन्होंने दान की महिमा बताते हुए कहा कि दान से पुण्य की वृद्धि होती है और शुद्ध भाव से दिया गया दान मोक्ष मार्ग का साधन बनता है। वैशाख माह में किए गए दान का विशेष महत्व बताते हुए उन्होंने बताया कि इसी माह में श्रेयांश कुमार द्वारा प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ भगवान को इक्षु रस अर्पित कर जाति कर्म का क्षय किया गया था, तभी से इस दिन को अक्षय तृतीया के रूप में मनाया जाता है। संघ संरक्षक कमलेश ढेलावत ने बताया कि महासती की प्रेरणा से दिवाकर भवन में लिफ्ट एवं डोम का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें अनेक दानदाताओं द्वारा सहयोग की घोषणाएं की गई हैं।

इस अवसर पर चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, नीमच, विजयनगर, उज्जैन, उदयपुर सहित आसपास के विभिन्न संघों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

सांसद सीपी जोशी के प्रयास रंग लाए, कोटा (गुड़ला)-चित्तौडगढ़ खंड के दौहरीकरण का फाइनल लोकेशन सर्वे हुआ स्वीकृत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार - सीपी जोशी

स्मार्ट हलचल|चित्तौड़गढ़

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं चित्तौडगढ़ सांसद सीपी जोशी के प्रयासों से कोटा (गुड़ला)-चित्तौडगढ़ खंड का दोहरीकरण किए जाने के लिए रेलवे द्वारा फाइनल लोकेशन सर्वे को स्वीकृति मिल गई है। सांसद सी.पी.जोशी द्वारा समय-समय पर रेल मंत्री से उदयपुर-चन्देरिया-कोटा रेलमार्ग के दोहरीकरण के संबंध में किए गए आग्रह किया गया था, जिसपर महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस परियोजना के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे को स्वीकृति प्रदान कर दी है। सांसद सीपी जोशी ने इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय क्षेत्र की रेल कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

सांसद सीपी जोशी ने बताया कि उन्होंने रेल मंत्री को पत्र लिखकर उदयपुर-चन्देरिया-कोटा रेलमार्ग के दोहरीकरण की आवश्यकता से अवगत कराया था। इस मार्ग पर बढ़ते यात्री और माल परिवहन के दबाव को देखते हुए इसे प्राथमिकता से स्वीकृत करने का अनुरोध किया गया था। रेल मंत्रालय द्वारा इस प्रस्ताव पर सकारात्मक पहल करते हुए फाइनल लोकेशन सर्वे को मंजूरी देना क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है। सांसद सीपी जोशी ने कहा कि कोटा (गुड़ला)-चित्तौडगढ़ खंड का दोहरीकरण होने से क्षेत्र के उद्योग, खनन, कृषि और व्यापार को बड़ा लाभ मिलेगा। मालगाड़ियों की आवाजाही बढ़ने से स्थानीय उत्पादों को देश के विभिन्न बाजारों तक पहुंचाना आसान होगा। साथ ही भविष्य में नई यात्री ट्रेनों के संचालन की संभावनाएं भी बढ़ेंगी, जिससे क्षेत्र के लोगों को बेहतर रेल सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही वर्तमान में चित्तौड़गढ़ जंक्शन दक्षिण में रतलाम तक दोहरीकरण से जुड़ रहा हैं, उत्तर में अजमेर तक का कार्य प्रगति पर चल रहा हैं। अब पूर्व में कोटा तक जुड़ने से यहॉ से विकास का रास्ता प्रशस्त हो सकेगा। सांसद सीपी जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा रेलवे के आधुनिकीकरण और विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिसका सीधा लाभ राजस्थान सहित चित्तौड़गढ़ संसदीय क्षेत्र को भी मिल रहा है। चित्तौड़गढ़ क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों में रेल अधोसंरचना के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं। उन्होंने बताया कि 560 करोड़ रुपये की लागत से 56 किमी चित्तौड़गढ़-नीमच रेलमार्ग का दोहरीकरण एवं विद्युतीकरण कार्य पूर्ण हो चुका है। 905 करोड़ रुपये की लागत से 133 किमी नीमच-रतलाम रेलमार्ग के दोहरीकरण का कार्य प्रगति पर है। 1634 करोड़ रुपये की लागत से 178.20 किमी अजमेर-चन्देरिया (चित्तौड़गढ़) रेलमार्ग के दोहरीकरण का कार्य प्रगति पर है। उमरड़ा से देबारी तक लगभग 25 किमी रेलखंड पर 492 करोड़ रूपये से दोहरीकरण का कार्य जारी है। चित्तौड़गढ़-मावली-उदयपुर (लगभग 99 किमी) रेलमार्ग के दोहरीकरण के लिए अंतिम स्थान सर्वे का कार्य किया गया हैं।

सांसद सीपी जोशी ने कहा कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से चित्तौड़गढ़ क्षेत्र देश के प्रमुख रेल कॉरिडोर से और अधिक मजबूत तरीके से जुड़ जाएगा। इससे दिल्ली-मुंबई समेत देश भर के सभी प्रमुख मार्गों के लिए वैकल्पिक रेल कनेक्टिविटी विकसित होगी और यात्री तथा मालगाड़ियों का संचालन सुगम होगा। सांसद सीपी जोशी ने विश्वास जताया कि आने वाले समय में क्षेत्र में रेलवे से जुड़े और भी महत्वपूर्ण विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ेंगे।

महिला आरक्षण के नाम पर भाजपा ने फैलाया झूठ का जाल, केवल चुनाव के लिए किया जा रहा इस्तेमालः कांग्रेस

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा महिला आरक्षण के मुद्दे पर फैलाए जा रहे 'भ्रमजाल' और राजनीति के खिलाफ कांग्रेस पार्टी ने मोर्चा खोल दिया है। शुक्रवार को आयोजित एक प्रेस वार्ता में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों ने केंद्र सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि भाजपा की नीयत महिलाओं को अधिकार देने की नहीं, बल्कि केवल चुनावी लाभ लेने की है।

इतिहास गवाह हैः महिला सशक्तिकरण कांग्रेस की देन

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी व प्रदेश महासचिव प्रतिष्ठा यादव और जिलाध्यक्ष किशोर चौधरी ने कहा कि महिला सशक्तिकरण की नींव कांग्रेस ने ही रखी थी। उन्होंने याद दिलाया कि 1992-93 में कांग्रेस सरकार द्वारा लाए गए 73वें और 74वें संविधान संशोधन के कारण ही आज स्थानीय निकायों और पंचायतों में महिलाओं को 33% आरक्षण मिल रहा है। इसके अलावा, 1996 और 2010 में भी कांग्रेस ने ही संसद में महिला आरक्षण बिल पेश करने की ऐतिहासिक पहल की थी।

देरी पर उठाए सवालः '2023 का कानून 2026 तक क्यों अटकाया?'

कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार की मंशा पर प्रश्नचिह्न लगाते हुए कहा कि सितंबर 2023 में संसद में सर्वसम्मति से 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पारित होने के बावजूद इसे जानबूझकर तीन साल तक लटकाया गया।

'हैरानी की बात है कि राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद भी केंद्र सरकार ने इसे 16 अप्रैल, 2026 की रात को नोटिफाई किया। भाजपा ने जानबूझकर इसे जनगणना और परिसीमन की कठिन शर्तों से जोड़ दिया है, ताकि आगामी चुनावों में महिलाओं को आरक्षण का वास्तविक लाभ न मिल सके। '

परिसीमन की आड़ में राजनीतिक कुटिलता

पूर्व विधायक राकेश पारीक और ब्यावर प्रत्याशी पारसमल जैन ने आरोप लगाया कि भाजपा परिसीमन के नाम पर देश का राजनीतिक मानचित्र अपनी सुविधा के अनुसार बदलना चाहती है। उन्होंने कहा कि जिस तरह राजस्थान, असम और जम्मू-कश्मीर में मनमाना परिसीमन किया गया, वही खेल अब देश स्तर पर खेलने की तैयारी है। कांग्रेस ने मांग की है कि वर्तमान 543 लोकसभा सीटों पर ही महिला आरक्षण तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए।

दोहरा चरित्रः संगठन में महिलाओं की उपेक्षा

प्रेस वार्ता में भाजपा के 'दोहरे चरित्र' पर कटाक्ष करते हुए कहा गया कि भाजपा में आज तक कोई महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बनी, जबकि कांग्रेस में एनी बेसेंट से लेकर सोनिया गांधी तक कई महिलाओं ने नेतृत्व किया है। देश को पहली महिला प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और लोकसभा अध्यक्ष देना कांग्रेस की ही उपलब्धि है।

प्रमुख मांगेः

महिला आरक्षण को बिना परिसीमन की शर्त के तत्काल लागू किया जाए। देश में जातीय जनगणना करवाकर ओबीसी वर्ग की महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व (कोटे में कोटा) दिया जाए। महिला आरक्षण को चुनावी 'जुमला' बनाने के बजाय धरातल पर उतारा जाए। इस अवसर पर खनन प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष आशीषपाल पदावत, पूर्व सभापति शांति डाबला, पूर्व सभापति पार्वती जाग्रत, महिला कांग्रेस प्रदेश महासचिव एडवोकेट सुलक्षणा शर्मा, महिला जिलाध्यक्ष इशिका जैन, पूर्व प्रत्याशी मनोज चौहान सहित कई वरिष्ठ कांग्रेसी कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

राशमी क्षेत्र में रोडवेज बस संचालन की मांग तेज

चित्तौड़गढ़। जिले के राशमी क्षेत्र में रोडवेज बसों के नियमित संचालन के संबंध में क्षेत्रीय नागरिकों द्वारा उप मुख्यमंत्री, परिवहन मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक अर्जुन लाल जीनगर को पत्र भेजकर समस्या से अवगत करा शीघ्र रोडवेज बसों के संचालन की मांग की है।

जानकारी के अनुसार क्षेत्र में रोडवेज बसों का नियमित संचालन नहीं होने से स्थानीय लोगों को आवागमन में गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बसों के अभाव में यात्रियों को न केवल असुविधा झेलनी पड़ रही है, बल्कि उन्हें किराए में मिलने वाली छूट एवं विभिन्न श्रेणियों में आरक्षण जैसे लाभों से भी वंचित रहना पड़ रहा है। पंचायत समिति क्षेत्र के सैकड़ों नागरिक प्रतिदिन भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ एवं गंगापुर की यात्रा करते हैं। वर्तमान में निजी बस संचालकों द्वारा मनमाना किराया वसूला जा रहा है, जिससे आमजन पर अतिरिक्त आर्थिक भार पड़ रहा है। नागरिकों ने विशेष रूप से कपासन से भीलवाड़ा तथा चित्तौड़गढ़ से राजसमंद, गंगापुर, आमेट, देवगढ़ (पाली) रूट पर राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की बसें संचालित करने की मांग की है। इसके अतिरिक्त जयपुर, अजमेर, अलवर, तिजारा, कोटा, बूंदी एवं सवाई माधोपुर डिपो से उदयपुर जाने वाली बसों को भीलवाड़ा से डायवर्ट कर कारोई, पहुंना, राशमी, मातृकुंडिया, कपासन एवं भूपालसागर होते हुए संचालित करने का सुझाव भी दिया गया है।

ब्रिगेड मैदान की जंग में ममता बनाम अमित शाह की जंग

उमेश चतुर्वेदी

साल 2021 में राज्य में तृणमूल कांग्रेस को 213 सीटें और करीब 44 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि बीजेपी को 38 प्रतिशत वोट के साथ 77 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। हालांकि 2016 के विधानसभा चुनावों के मुकाबले देखें तो पार्टी ने तीन सीट और करीब 28 प्रतिशत वोट की तुलना में बड़ी छलांग लगाई।

प्रधानमंत्री रहते अटल बिहारी वाजपेयी ने कोलकाता की यात्रा की थी। उस दौरे पर उन्होंने तत्कालीन रेल मंत्री के कालीघाट स्थित घर का दौरा किया था। तब उन्होंने मंत्री की मां से उलाहना दिया था, आपकी बेटी मुझे बहुत परेशान करती हैं। कहना न होगा कि वह शख्सियत डेढ़ दशक से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री है। ममता बनर्जी लड़ाका है। धूल से उठकर राजनीतिक आसमान का तारा अगर वे बनी हुई हैं, उसकी वजह उनका सघर्षशील व्यक्तित्व ही है। लेकिन कोलकाता के मैदान में इस बार यह योद्धा फंसा नजर आ रहा है। भारतीय जनता पार्टी जिस तरह उनसे दो-दो हाथ कर रही है, निश्चित तौर पर उसके पीछे नरेंद्र मोदी की अगुआई में बंगाल की धूल में लगातार परिश्रम कर रहे बीजेपी के कार्यकर्ता हैं। आज अगर बंगाली की सियासी लड़ाई आर-पार के दौर में आ चुकी है तो इसके पीछे अमित शाह की रणनीति काम कर रही है।

साल 2021 के विधानसभा चुनाव नतीजे आने के बाद कहा गया था कि बीजेपी चुनाव जीतते-जीतते हार गई है। ममता का संघर्ष बीजेपी की रणनीतियों पर भारी पड़ गया था। पांच साल बाद कोलकाता के रायटर्स बिल्डिंग पर कब्जे को लेकर सेनाएं सज गई हैं। लेकिन इस बार हालात बदले नजर आ रहे हैं। इसकी वजह अमित शाह का चुनाव प्रचार की कमान खुद संभालना है, जिन्होंने 170 सीटें जीतने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय कर रखा है। पिछले विधानसभा चुनाव में पिछड़ने के बावजूद अमित शाह ने राज्य की यात्राएं जारी रखीं और इसके जरिए अपने कार्यकताओं को उत्साहित बनाए रखा। इस बार बीजेपी अगर सत्ता की प्रबल दावेदार के रूप में उभरी है तो इसकी बड़ी वजह बूथ प्रबंधन तो है ही, घुसपैठ और महिला सुरक्षा को मुद्दा बनाना भी है। बंगाल के बारे में कहा जाता है कि वह जो आज सोचता है, पूरा देश उस पर बाद में आगे बढ़ता है। शक्ति पूजा की संस्कृति वाले राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर ममता के राज में कई बार सवाल उठे। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज में रेजिडेंट डाक्टर से दुष्कर्म और बर्बर हत्या के बाद अंग्रेजों की पहली राजधानी का भद्रलोक उद्वेलित हो उठा। अभी इसकी आंच ठंडी पड़ी नहीं कि कस्बा लॉ कालेज की छात्रा के साथ बलात्कार हुई। इसके पहले संदेशखाली में हुई कथित तौर पर यौन हिंसा और जमीन हड़पने के मामलों से पश्चिम बंगाल का समाज उद्वेलित रहा। अमित शाह के बार-बार के बंगाल दौरे के चलते बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने महिला सुरक्षा के मसले को कभी धीमा नहीं पड़ने दिया। इन्हीं वजहों से महिला सुरक्षा को लेकर तृणमूल कांग्रेस सवालों के घेरे में आ गई। राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की 2023 की रिपोर्ट भी राज्य में महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा की ही तसदीक करती है, जिसके अनुसार, राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 34,691 मामले दर्ज किए गए और एसिड हमलों में इसका हिस्सा सबसे ज्यादा करीब 27.5 प्रतिशत रहा। बीजेपी को महिला सुरक्षा को बड़ा मुद्दा बनाने में ममता बनर्जी के एक बयान से भी मिला, जिसमें उन्होंने कहा था कि महिलाओं को शाम सात बजे के बाद बाहर नहीं निकलना चाहिए। बीजेपी ने महिला सुरक्षा के मुद्दे पर आरजी कर की पीड़िता की मां मंजू देवनाथ को पनियाहाटा से उम्मीदवार बनाकर एक तरह से राज्य की महिलाओं को संदेश दे दिया है, संदेश यह कि वह उनकी सुरक्षा के लिए संजीदा है। बीजेपी ने महिलाओं को लुभाने के लिए दुर्गा सुरक्षा दस्ते बनाने और नौकरियों में महिलाओं को 33 फीसद आरक्षण देने का भी वादा किया है। इसके साथ ही महिलाओं को मध्य प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र की तरह प्रतिमाह तीन हजार रूपए देने का वादा किया है। यहां याद रखना चाहिए कि ममता सरकार हर महीने महिलाओं को डेढ़ हजार रूपए दे रही है।

साल 2021 में राज्य में तृणमूल कांग्रेस को 213 सीटें और करीब 44 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि बीजेपी को 38 प्रतिशत वोट के साथ 77 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। हालांकि 2016 के विधानसभा चुनावों के मुकाबले देखें तो पार्टी ने तीन सीट और करीब 28 प्रतिशत वोट की तुलना में बड़ी छलांग लगाई। अमित शाह ने इसी बुनियाद को मजबूत करते हुए आगे बढ़ने की रणनीति बनाई। इसके तहत उन्होंने दो बातों पर जोर दिया। उन्होंने उन गढ़ों को और मजबूत बनाने की रणनीति बनाई, जहां पहले से ही पार्टी मजबूत स्थिति में है। इसके साथ ही उन चुनाव क्षेत्रों में आधार बढ़ाने की कोशिश तेज की, जहां 2021 में वह बहुत कम अंतर से हारी थी। इसके साथ ही अमित शाह ने पार्टी के भीतर की गुटबाजी को भी सुलझाने की कोशिश की। राज्य में पार्टी के अध्यक्ष रहे दिलीप घोष के बारे में माना जा रहा था कि वे नाखुश हैं। अमित शाह ने उनसे मुलाकात करके तृणमूल से आए शुभेंदु अधिकारी से बीच उनके मतभेदों को दूर करने की कोशिश की।

ममता बनर्जी ने पिछली बार बंगाली माटी और मानुष यानी स्थानीय को मुद्दा बनाया था। उन्हें इस मुद्दे से पिछली बार मदद भी मिली। इस बार भी ममता विपक्ष यानी बीजेपी के नेताओं के बाहरी होने का आरोप लगा रही हैं। इसके जवाब स्वरूप अमित शाह ने ऐलान किया है कि अगर पश्चिम बंगाल में पार्टी सत्ता में आई तो राज्य का मुख्यमंत्री ह्यधरती का बेटाह्न यानी स्थानीय व्यक्ति ही बनेगा। पार्टी ने इस बार घुसपैठ को भी बड़ा मुद्दा बनाया है। राज्य में विशेष पुनरीक्षण अभियान के दौरान राज्य में नब्बे लाख वोटरों के नाम हटाने को लेकर ना सिर्फ सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस समेत समूचा गैर बीजेपी दल मुद्दा बना रहे हैं। हालांकि अमित शाह चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान यानी एसआईआर के कदम को सही बताया है। बीजेपी यहीं नहीं रूकी है, उसने वादा किया है कि अगर वह सत्ता में आई तो राज्य से अवैध घुसपैठियों की पहचान करेगी और उन्हें बाहर करेगी। इसके साथ ही पार्टी ने सत्ता में आने के पैंतालीस दिनों के अंदर सीमा पर बाड़ लगाने के लिए केंद्र सरकार को जमीन देगी। बीजेपी ने इसके जरिए बांग्लादेश की ओर हो रही पशु तस्करी को रोकने का भी ऐलान किया है।

राज्य में भ्रष्टाचार को भी बड़ा मुद्दा बनाने में बीजेपी कामयाब रही है। इसमें अतीत में हुई भ्रष्टाचार की घटनाओं ने मदद की है। यहां का शिक्षक भर्ती घोटाला रहा, जिसकी सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने 26 हजार नौकरियां रद्द कर दी थी। इसके साथ ही राशन और मिड-डे मील, मनरेगा अ जॉब कार्ड घोटाला भी सुर्खियां बनता रहा है। बीजेपी ने इस बार इसे भी मुद्दा बनाया है। इन मामलों में तृणमूल के बीस से ज्यादा नेताओं को जेल भेजा गया। हालांकि तृणमूल कांग्रेस इसे केंद्र की बदले की कारर्वाई बताती रही है। यही वजह है कि पार्टी ने दागी नेताओं को टिकट भी दिया है। इसकी वजह से भद्रलोक के बीच तृणमूल को सवालों के घेरे में लाने की पुरजोर कोशिश अमित शाह और उनकी बीजेपी कर रही है। ऐसे ढेरों मामले हैं, जिनकी वजह से बीजेपी सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस को जबरदस्त चुनौती देती नजर आ रही है। इसका मतलब यह नहीं है कि तृणमूल कांग्रेस ने सरेंडर कर दिया है। ममता की अगुआई में पार्टी अब भी पुरजोर तरीके से मैदान में खड़ी है। इस वजह से इस बार भी मुकाबला सीधे तौर पर ममता बनाम बीजेपी ही नजर आ रहा है। हालांकि सही तौर पर कहें तो इस बार मुकाबला ममता बनाम अमित शाह है। इस जंग में अमित शाह सफल होंगे या ममता एक बार फिर उन्हें मात देने में कामयाब रहेंगी, यह तो चार मई को मतगणना के बाद ही पता चल पाएगा।

संपादकीय

झुलसती जिंदगी

एक वैश्विक संस्था एक्यूआई.इन के हालिया आंकड़ों से यह परेशान करने वाली तस्वीर उभरी है कि दुनिया के सबसे गर्म बीस शहरों में 19 भारत के हैं। निस्संदेह, जलवायु परिवर्तन बढ़ते तापमान का मुख्य कारक है, लेकिन पर्यावरण संरक्षण के प्रति सरकारों व आम नागरिकों की उदासीनता भी इसके मूल में है। घटता वनों का दायरा और हमारी जीवनशैली में बदलाव से बढ़ता कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ते तापमान का एक कारक बन रहा है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि पिछले कुछ दिनों तक बारिश के बाद लोग अप्रैल माह में भी ठंड का अनुभव कर रहे थे। उसके कुछ ही दिन बाद तुरंत लू चलने लगी। यह अचानक होने वाला मौसमी बदलाव हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद घातक है। तमाम लोग अचानक मौसमी बदलाव से उत्पन्न बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। गंगा के किनारे बसे उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में देश का सबसे ज्यादा 44.4 तापमान दर्ज किया जाना गंभीर स्थिति को दर्शाता है। चिंता की बात यह है कि गर्मी सामान्य सीमाओं को पार करके आगे बढ़ रही है। मौसम विभाग चेता रहा है कि देश के कई इलाकों में आगामी दिनों में लू की स्थिति बनी रहेगी। कई जगह पारा 43 डिग्री तक पहुंच सकता है। दरअसल, मौसम विभाग का मानक है कि जब तापमान 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर जाता है तो इसे लू चलना कहा जाता है। फिक्र की बात यह है कि अप्रैल के चौथे सप्ताह में ही देश के कई शहर हीटवेव की सीमा से आगे बढ़ गए हैं। देश में बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा आदि राज्य इस तपिश का सामना कर रहे हैं। यहां तक कि पहली बार मध्यप्रदेश में रात को हीटवेव चलने की चेतावनी दी गई है। गर्मी का आलम यह है कि देश के कई राज्यों में स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। दिल्ली के स्कूलों में एक समय अवधि घंटी बजाकर छात्रों को डिहाइड्रेशन से बचने के लिए जागरूक किया जाएगा ताकि वे पानी पीकर गर्मी की चुनौती का मुकाबला करें। गर्मी के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर देश के तमाम राज्यों में जीवन रक्षा के उपाय किए जा रहे हैं। कई जगह श्रमिकों के दिन में कुछ घंटों में काम करने पर रोक लगायी गई है। महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ में ट्रैफिक पुलिस की ड्यूटी का समय बदला गया है। तमाम शहरों में लू के अलर्ट जारी किए जा रहे हैं। कई जगह ट्रैफिक सिग्नल बंद किए गए ताकि लोगों को चौराहों पर धूप में खड़ा न रहना पड़े। सड़कों, बस स्टेशनों तथा रेलवे स्टेशनों में पानी की फुहार के जरिये गर्मी से राहत देने के प्रयास किए जा रहे हैं। ताजमहल देखने पहुंचे कई पर्यटकों के बेहोश होने के समाचार हैं। गर्मी के चलते राजस्थान के कई पर्यटक स्थलों में पर्यटकों की संख्या में गिरावट के संकेत हैं।

चिंतन-मनन

अपनेपन का प्रेम असली प्रेम

जब प्रेम बहुत गहरा होता है, तब तुम किसी भी गलतफहमी के लिए पूरी जिम्मेवारी लेते हो। पल भर के लिए ऊपरी तौर से नाराजगी व्यक्त कर सकते हो, परन्तु जब इस नाराजगी को दिल से महसूस नहीं करते, तब तुम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझ पाते हो। तब तुम उस अवस्था में हो जहां सभी समस्याएं और मत-भेद मिट जाते हैं और केवल प्रेम झलकता है। प्रायः हम मतभेदों में उलझे रहते हैं क्योंकि अपने वास्तविक स्वभाव से दूर हो गए हैं। प्रेम के नाम पर हम दूसरों को इच्छानुसार चलाना चाहते हैं। यह स्वाभाविक है कि जब हम किसी से प्रेम करते हैं तो हम चाहते हैं कि वे त्रुटिहीन हो। तुम पहाड़ी के ऊपर से जमीन के गड्ढों को नहीं देख सकते। इसी प्रकार, उन्नत चेतना की अवस्था से दूसरों की त्रुटियां नजर नहीं आती। परन्तु जमीन आकर गड्ढों को (दोषों को) देख सकते हो। और गड्ढों को भरना चाहते हो तो उन्हें देखना ही होगा। हवा में रहकर तुम घर नहीं बना सकते। गड्ढों को देखे बिना, उनको भरे बिना, कंकड़-पत्थर हटाए बिना, जमीन को नहीं जोत सकते। इसीलिए जब तुम किसी से प्रेम करते हो और उनमें दोष ही दोष देखते हो तो उनके साथ रहो और गड्ढे भरने में उनकी मदद करो। यही ज्ञान है। तुम किसी को प्यार क्यों करते हो? क्या उनके गुणों के लिए या मित्रता और अपनेपन के कारण? अपनत्व महसूस किए बिना, केवल उनके गुणों के लिए, तुम किसी से प्रेम कर सकते हो! इस प्रकार का प्रेम प्रतिस्पर्धा और ईर्ष्या पैदा करता है। परन्तु जब प्रेम आत्मीयता के कारण होता है, तब ऐसा नहीं होता। जब तुम किसी को उनके गुणों के लिए चाहते हो और जब उनके गुणों में बदलाव आता है, या जब तुम उनके गुणों के आदी हो जाते हो, तुम्हारा प्रेम भी बदल जाता है। परन्तु प्रेम यदि अपनत्व के भाव से है, क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वह प्रेम जन्म-जन्मान्तरों तक रहता है। लोग कहते हैं, मैं ईश्वर से प्रेम करता हूं क्योंकि वे महान है। और यदि यह पाया जाए कि ईश्वर साधारण हैं, हमारे जैसे ही एक व्यक्ति, तब तुम्हारा प्रेम समाप्त हो जाएगा। यदि तुम ईश्वर से इसलिए प्रेम करते हो क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वे चाहे जैसे भी हों, चाहे वे रचना करें या विनाश, तुम फिर भी उन्हें प्रेम करते हो। अपनेपन का प्रेम स्वयं के प्रति प्रेम के समान है।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस और 73वाँ संविधान संशोधन : ग्रामीण लोकतंत्र की सुदृढ़ नींव

सुनील कुमार महला

हमारा देश गांवों का देश है और गाँव स्तर पर भारतीय लोकतंत्र को सशक्त बनाने के उद्देश्य से भारत में प्रतिवर्ष 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया जाता है। यह दिन इसलिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि 24 अप्रैल 1993 को भारत में 73वाँ संविधान संशोधन अधिनियम लागू हुआ था, जिसके माध्यम से पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा प्राप्त हुआ। यहां पाठकों को जानकारी देता चलूं कि यद्यपि यह संशोधन भारतीय संसद द्वारा वर्ष 1992 में पारित किया गया था, परंतु इसे 24 अप्रैल 1993 से प्रभावी किया गया। यही कारण है कि यह तिथि भारतीय ग्रामीण लोकतंत्र के इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है।

वास्तव में, 73वाँ संविधान संशोधन भारतीय संविधान में किया गया एक ऐतिहासिक, नायाब और दूरदर्शी संशोधन था। कहना गलत नहीं होगा कि इस संशोधन ने ग्रामीण स्वशासन की वास्तविक नींव रखी। इस संशोधन के बाद राज्य सरकारों के लिए पंचायती राज व्यवस्था को लागू करना संवैधानिक रूप से अनिवार्य हो गया। इसके माध्यम से संविधान में भाग-क जोड़ा गया, जिसमें पंचायतों से संबंधित प्रावधान सम्मिलित किए गए। साथ ही, इसमें 11वीं अनुसूची भी जोड़ी गई, जिसमें पंचायतों को सौंपे जाने वाले 29 विषयों का उल्लेख किया गया।

इस संशोधन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्वशासन को मजबूत करना, लोकतंत्र को गाँव-गाँव तक पहुँचाना तथा जनता की सीधी भागीदारी सुनिश्चित करना था। इसके अंतर्गत पूरे देश में त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था लागू की गई, जिसमें क्रमशः ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत, मध्यवर्ती/ब्लॉक स्तर पर पंचायत समिति तथा जिला स्तर पर जिला परिषद शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-ब के अनुसार प्रत्येक राज्य में इन तीन स्तरों पर पंचायतों के गठन का प्रावधान किया गया। हालांकि, जिन राज्यों की जनसंख्या 20 लाख से कम है, वहाँ मध्यवर्ती (ब्लॉक) स्तर पर पंचायत बनाना अनिवार्य नहीं है। पाठक जानते होंगे कि पंचायतों के सदस्यों के चुनाव प्रत्यक्ष रूप से जनता द्वारा किए जाते हैं। ग्राम, मध्यवर्ती और जिला स्तर के निर्वाचित सदस्यों का चयन सीधे मतदाताओं द्वारा होता है, जबकि मध्यवर्ती एवं जिला स्तर के अध्यक्षों का चुनाव निर्वाचित सदस्यों द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से किया जाता है। पंचायत चुनावों के संचालन हेतु प्रत्येक राज्य में राज्य निर्वाचन आयोग की स्थापना का प्रावधान किया गया।

इतना ही नहीं, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-इ के अनुसार प्रत्येक पंचायत का कार्यकाल 5 वर्ष निर्धारित किया गया है, यदि उसे पूर्व में भंग न किया जाए। इससे पंचायतों को स्थायित्व और निरंतरता प्राप्त हुई।इस संशोधन की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक सामाजिक न्याय और समावेशिता है। इसके अंतर्गत अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) तथा महिलाओं के लिए आरक्षण का प्रावधान किया गया। महिलाओं को पंचायतों में प्रतिनिधित्व मिलने से ग्रामीण नेतृत्व में व्यापक परिवर्तन आया और महिला सशक्तीकरण को नई दिशा व उन्नयन मिला। इतना ही नहीं, पंचायतों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए प्रत्येक राज्य में राज्य वित्त आयोग गठित करने का प्रावधान किया गया, जो पंचायतों को वित्तीय संसाधनों के वितरण पर सुझाव देता है।बहुत कम लोग जानते होंगे कि इस संशोधन के तहत अनुच्छेद 243-ड भी जोड़ा गया, जिसके अनुसार पंचायत चुनावों से संबंधित परिसीमन या सीटों के आवंटन को किसी अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती। चुनाव संबंधी विवादों का निपटारा केवल राज्य विधानमंडल द्वारा निर्धारित प्राधिकारी द्वारा किया जाएगा। इससे चुनाव प्रक्रिया में अनावश्यक न्यायिक हस्तक्षेप कम हुआ।एक उल्लेखनीय तथ्य यह भी है कि जहाँ विधायक या सांसद बनने के लिए न्यूनतम आयु 25 वर्ष निर्धारित है, वहीं अनुच्छेद 243-एफ के अंतर्गत पंचायत चुनाव लड़ने के लिए न्यूनतम आयु 21 वर्ष रखी गई है। इससे युवाओं को कम आयु में नेतृत्व और जनसेवा का अवसर प्राप्त हुआ।

बहरहाल, यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि यह अधिनियम कुछ विशेष क्षेत्रों में स्वतः लागू नहीं होता है। इनमें नागालैंड, मेघालय, मिजोरम, अनुसूचित एवं जनजातीय क्षेत्र, मणिपुर के पहाड़ी क्षेत्र, तथा पश्चिम बंगाल का दार्जिलिंग जिला (दार्जिलिंग गोरखा हिल काउंसिल क्षेत्र) शामिल हैं। हालांकि, यह बात अलग है कि भारतीय संसद आवश्यकतानुसार अपवादों और संशोधनों के साथ इन क्षेत्रों में भी इसके प्रावधान लागू कर सकती है।

निष्कर्षतः, यहां यह बात कही जा सकती है कि 73वाँ संविधान संशोधन अधिनियम भारतीय लोकतंत्र(इंडियन डेमोक्रेसी) को जमीनी स्तर तक सुदृढ़ करने वाला ऐतिहासिक कदम सिद्ध हुआ। इसने पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा देकर ग्रामीण जनता की भागीदारी सुनिश्चित की, सामाजिक समावेशिता को बढ़ावा दिया तथा गाँवों को अपने विकास के निर्णय लेने का अधिकार प्रदान किया। सरल शब्दों में यह बात कही जा सकती है कि 73 वें संविधान संशोधन ने लोकतंत्र को जमीनी स्तर पर मजबूत कर ग्रामीण विकास में आम जन की भागीदारी सुनिश्चित की है, जिससे भारत प्रतिनिधिक लोकतंत्र से सहभागी लोकतंत्र की ओर बढ़ा है। निस्संदेह यह संशोधन ग्राम स्वराज, सशक्त ग्रामीण भारत और सहभागी लोकतंत्र की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

क्यों सुसाइड कर रहे हैं एनआइटी के होनहार?

मनोज कुमार अग्रवाल

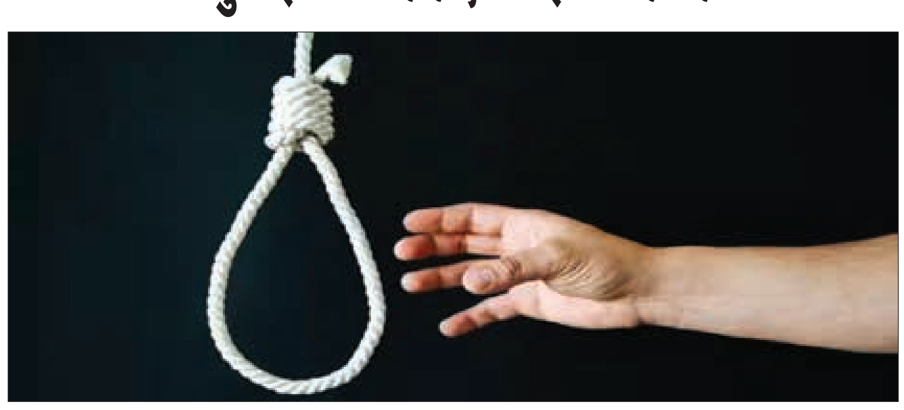

देश के प्रतिष्ठित कुरुक्षेत्र स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) में द्वितीय वर्ष की एक छात्रा अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाई गई, जिससे पिछले दो महीनों में परिसर में संदिग्ध छात्र मृत्यु का यह चौथा मामला सामने आया है।एनआईटी कुरुक्षेत्र में एक और छात्रा की आत्महत्या! यह सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि सिस्टम की गंभीर विफलता का संकेत है। एनआइटी में प्रवेश पाने के लिए छात्र छात्राओं द्वारा कठोर परिश्रम कर पढ़ाई कर प्रवेश परीक्षा पास कर तकनीकी शिक्षा लेने का सपना पूरा करने का मौका बिरले छात्रों को मिल पाता है लेकिन जब ऐसे होनहार छात्र छात्राओं द्वारा मौत को गले लगाने का सिलसिला चलता है तो इस संस्थान के माहौल पर भी सवालिया निशान लगता है।

लगातार हो रही ऐसी घटनाएँ बताती हैं कि छात्रों का मानसिक दबाव, संस्थागत संवेदनहीनता और सपोर्ट सिस्टम की कमी अब खतरनाक स्तर पर पहुँच चुकी है।सरकार और प्रशासन कब जागेंगे ?

गुरुवार 16 अप्रैल, 2026 को जब दीक्षा दुबे ने अपने दोस्तों के फोन का जवाब नहीं दिया, तो वे उसके कमरे में पहुँचे और कमरा अंदर से बंद पाया। सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीमें दोपहर करीब 3 बजे मौके पर पहुँचीं और दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया तो वह मृत पाई गईं,ह्व उन्होंने बताया। शव को पोस्टमार्टम के लिए एलएनजेपी सिविल अस्पताल भेज दिया गया है।

घटना के पीछे का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। आगे की कार्यवाही जांच के निष्कर्षों और परिवार के बयानों पर निर्भर करेगी। फरवरी से अब तक एनआईटी कुरुक्षेत्र में यह चौथा मामला दर्ज किया गया है।

आपको बता दें 16 फरवरी को तेलंगाना निवासी अंगोद शिव (19) अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाए गए। प्रथम सेमेस्टर के छात्र अंगोद शिव संस्थान में कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग (सीएसई) की डिग्री हासिल कर रहे थे। नूह के एक अन्य छात्र ने 31 मार्च को एनआईटी कुरुक्षेत्र में आत्महत्या कर ली।

तीसरी संदिग्ध मौत की सूचना 8 अप्रैल को मिली, जब हरियाणा के सिरसा निवासी प्रियांशु शर्मा अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाए गए। वह सिविल इंजीनियरिंग विभाग में बीटेक के तीसरे वर्ष के छात्र थे। हाल ही में 16 अप्रेल बिहार की रहने वाली 19 वर्षीय बीटेक छात्रा दीक्षा दुबे ने बृहस्पतिवार को कथित तौर आत्महत्या कर ली थी, जिसके बाद यह समिति गठित की गई है।

छात्रा की मृत्यु के बाद परिसर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। दीक्षा दुबे की मृत्यु पिछले दो महीनों में परिसर में हुई इस तरह की चौथी घटना थी।

इतना ही नहीं 18 अप्रैल शनिवार देर रात करीब 12 बजे कल्पना छात्रावास में एक छात्रा ने आत्महत्या का प्रयास किया लेकिन मौके पर मौजूद अन्य छात्रों ने समय रहते उसे बचा लिया। बताया जा रहा है कि छात्रा ने एक मैसेज में लिखा था।।मेरी जिंदगी का कोई मतलब नहीं। इस घटना के बाद कैंपस में तनाव और बढ़ गया।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र के कार्यवाहक निदेशक ब्रह्मजीत ने बताया कि प्रशासन ने छात्रों द्वारा उठाई गई कई मांगों को स्वीकार कर लिया है।

इन संदिग्ध मौतों के चलते कैंपस में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र देर रात मुख्य द्वार पर विरोध प्रदर्शन करने के लिए एकत्र हुए।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि छात्रावास के कुछ कर्मचारियों और अधिकारियों का व्यवहार संतोषजनक नहीं था और उन्होंने स्थिति से निपटने के तरीके पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने घटना के सामने आने के बाद प्रतिक्रिया में लगने वाले समय पर भी सवाल उठाया।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र ने परिसर में हाल में छात्रों के आत्महत्या के मामलों की जांच के लिए पांच सदस्यीय समिति का गठन किया है। साथ ही छात्रों की समस्याओं की जांच के लिए तीन अलग-अलग समितियां भी बनाई हैं। जांच समिति इस मुद्दे पर छात्रों, प्रोफेसर, वार्डन और अन्य कर्मचारियों के साथ बातचीत करेगी। एनआईटी के जनसंपर्क अधिकारी प्रोफेसर ज्ञान भूषण ने रविवार को कहा कि परिसर में हाल में हुई आत्महत्या की घटनाओं की जांच के लिए एक समिति गठित की गई है। समिति की अध्यक्षता छात्र कल्याण विभाग की डीन प्रोफेसर लिली दीवान कर रही हैं और इसमें प्रोफेसर जे।के। कपूर, प्रोफेसर प्रवीण अग्रवाल, डॉ। संदीप सिंघल और डॉ। मनोज सिन्हा शामिल हैं।

पुलिस ने बताया था कि दुबे की कथित आत्महत्या के बाद शुक्रवार रात को बीटेक प्रथम वर्ष की एक अन्य छात्रा ने भी कथित तौर पर आत्महत्या का प्रयास किया था।

मूल रूप से महाराष्ट्र की निवासी छात्रा ने कथित तौर पर धमकी दी और छात्रावास की इमारत से कूदने की कोशिश की, लेकिन उसके सहपाठियों ने उसे रोक लिया।

संस्थान में मौजूदा स्थिति को देखते हुए और सभी छात्रों के सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है कि स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी छात्रों के लिए अगले आदेश तक अवकाश रहेगा। एनआईटी प्रशासन की ओर से जारी एक नोटिस के अनुसार, उन्हें 19 अप्रैल तक अपने छात्रावास खाली करने होंगे। छात्रावासों में रह रहे लगभग 5,300 छात्रों में से 2,500 से अधिक छात्रों ने संस्थान के नोटिस के बाद शनिवार तक अपने कमरे खाली कर दिए। दूरदराज के राज्यों से आने वाले छात्रों के लिए स्थिति विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण रही है।

प्रशासन ने कहा कि प्रायोगिक परीक्षाओं समेत संशोधित परीक्षा कार्यक्रम की सूचना उचित समय पर दी जाएगी। छात्रों को परीक्षा शुरू होने से काफी पहले सूचित कर दिया जाएगा। हालांकि छात्रों का आरोप है कि पहले बनी जांच कमेटी ने भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया। कुछ छात्रों ने यह भी कहा कि उन्हें मानसिक दबाव और परेशान किया जा रहा है। उनका दावा है कि एक प्रोफेसर ने यहां तक कह दिया कि ह्वअगर सुसाइड करना है तो कैंपस के बाहर करो।ह्व इन आरोपों ने मामले को और गंभीर बना दिया है।

इधर, बढ़ते विवाद के बीच एनआईटी प्रशासन ने 17 अप्रैल से 4 मई तक छुट्टियां घोषित कर दी हैं। छात्रों को हॉस्टल खाली करने का नोटिस दिया गया है और कई छात्र अपना सामान पैक कर घर लौटते नजर आ रहे हैं। इस पर भी छात्रों ने नाराजगी जताई है और कहा है कि उन्हें जबरदस्ती घर भेजकर मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है।

सवाल उठता है कि एक प्रतिष्ठित उच्च शिक्षा संस्थान में ऐसी क्या गड़बड़ी है कि भविष्य संवारने के लिए आए होनहार छात्र छात्राओं को सुसाइड करने की मजबूरी आन पड़ी है? इस के पीछे क्या संस्थान के शिक्षक प्रबंधन प्रशासन की कोई गड़बड़ी जिम्मेदार है या छात्रों के बीच में ही शेरों की खाल में कोई सियार छिपे हुए हैं और छात्र छात्राओं के साथ कोई अनैतिकता या अमानवीयता कर उन्हें सुसाइड करने के लिए मजबूर किया जा रहा है? की बार नशे के सौदागर और साइबर ठगी या निवेश के जाल मे फंसा कर ब्लेक मेल करने वाले गिरोह भी ऐसे वारदातों के पीछे जिम्मेदार हो सकते हैं। क्या वजह है कि सरकार ने एक के बाद एक हो रही सुसाइड की वारदातों को गंभीरता से नहीं लिया आखिर कब तक हमारे उच्च शिक्षा संस्थान होनहार बच्चों के सपनों को रौंद कर उनके जीवन से खिलवाड़ करते रहेंगे। जो भी हो इन सुसाइड मामलों की गंभीरता से जांच करानी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सके।

जांघों में खुजली क्यों होती है?

गर्मियों में पसीना बढ़ने के साथ शरीर में खुजली की समस्या आम हो जाती है। खासकर जांघों के बीच होने वाली खुजली कई बार असहज स्थिति पैदा कर देती है। अक्सर लोग इसे साधारण समस्या समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन कई मामलों में यह शरीर के अंदर की कमी या इंफेक्शन का संकेत भी हो सकती है। इसलिए इसका सही कारण समझना बेहद जरूरी है।

जांघों में खुजली के मुख्य कारण

जांघों में खुजली कई वजहों से हो सकती है। सबसे आम कारण ज्यादा पसीना आना है, जिससे त्वचा में नमी बनी रहती है और बैक्टीरिया या फंगस पनपने लगते हैं। इसके अलावा फंगल इंफेक्शन भी एक बड़ी वजह है, जो खासकर गर्म और नम जगहों पर जल्दी फैलता है। टाइट कपड़े पहनने से त्वचा पर रगड़ होती है, जिससे जलन और खुजली बढ़ जाती है। अगर अंडरवियर समय पर नहीं बदला जाए या साफ-सफाई का ध्यान न रखा जाए, तो भी यह समस्या बढ़ सकती है। साथ ही, शरीर में जरूरी पोषक तत्वों की कमी भी खुजली का कारण बन सकती है।

किस विटामिन की कमी से होती है खुजली?

एक्सपर्ट्स के अनुसार, जांघों में खुजली का एक अहम कारण विटामिन क्ककी कमी हो सकता है। खासतौर पर विटामिन क्क2, क्क6 और क्क12 की कमी से त्वचा ड्राई और संवेदनशील हो जाती है। जब त्वचा में नमी कम हो जाती है, तो उसमें खुजली, जलन और रूखापन बढ़ने लगता है। इसलिए शरीर में इन विटामिन्स का संतुलन बनाए रखना जरूरी है, ताकि त्वचा स्वस्थ बनी रहे।

आयुर्वेद के अनुसार कारण

आयुर्वेद में खुजली को 'कंडू' कहा जाता है। इसके अनुसार यह समस्या शरीर में पित्त और कफ दोष के असंतुलन की वजह से होती है। जब हम ज्यादा तला-भुना, मसालेदार या मीठा खाना खाते हैं, तो यह असंतुलन और बढ़ जाता है। इसका असर त्वचा पर दिखने लगता है और खुजली की समस्या बढ़ सकती है। इसलिए संतुलित और हल्का भोजन करना फायदेमंद होता है।

खुजली से राहत पाने के आसान उपाय

खुजली से राहत पाने के लिए कुछ आसान घरेलू उपाय अपनाए जा सकते हैं। नहाने के पानी में नीम के पत्ते उबालकर मिलाने से त्वचा के बैक्टीरिया खत्म होते हैं और खुजली में आराम मिलता है। सही खानपान भी बहुत जरूरी है। डाइट में विटामिन से भरपूर फल और हरी सब्जियां शामिल करें, ताकि शरीर की इम्युनिटी मजबूत रहे। नारियल तेल और एलोवेरा जेल को मिलाकर लगाने से त्वचा को ठंडक मिलती है और खुजली कम होती है। इसके साथ ही हमेशा साफ और ढीले कपड़े पहनें, रोज अंडरवियर बदलें और शरीर को सूखा रखने की कोशिश करें, ताकि इंफेक्शन का खतरा कम हो सके।

कब डॉक्टर से सलाह लें?

अगर खुजली लंबे समय तक बनी रहती है या बहुत ज्यादा बढ़ जाती है, तो इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। ऐसी स्थिति में डॉक्टर से तुरंत सलाह लेना जरूरी है, ताकि सही कारण का पता लगाकर समय पर इलाज किया जा सके।

हर दिन तिल खाने से मिलेंगे ये फायदे, दांत और मसूड़े भी रहेंगे मजबूत

आयुर्वेद में तिल को हमेशा से ही एक 'पोषण का खजाना' माना गया है। ये छोटे-छोटे बीज दिखने में भले ही साधारण लगें, लेकिन इनके अंदर सेहत के लिए कई बड़े फायदे छिपे होते हैं। खासकर दांत, मसूड़े और हड्डियों की मजबूती के लिए तिल बेहद उपयोगी माना जाता है।

दांत और मसूड़ों को बनाता है मजबूत

तिल में भरपूर मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है, जो दांतों की मजबूती के लिए जरूरी होता है। नियमित रूप से तिल का सेवन करने से दांतों की जड़ें मजबूत होती हैं और मसूड़ों की कमजोरी दूर होती है। इसके अलावा इसमें मौजूद फॉस्फोरस दांतों की संरचना को मजबूत बनाता है, जिससे दांत लंबे समय तक स्वस्थ रहते हैं।

हड्डियों के लिए भी फायदेमंद

तिल सिर्फ दांतों ही नहीं, बल्कि हड्डियों के लिए भी बहुत लाभकारी है। इसमें मौजूद कैल्शियम, मैग्नीशियम और जिंक हड्डियों को मजबूत बनाते हैं और उम्र बढ़ने के साथ होने वाली कमजोरी को कम करते हैं।

खून की कमी और इम्युनिटी में मददगार

वहीं जिंक शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) को बढ़ाता है, जिससे शरीर कई बीमारियों से बचा रहता है। तिल में आयरन भी पाया जाता है, जो शरीर में खून की कमी (एनीमिया) को दूर करने में मदद करता है।

दिल की सेहत के लिए भी अच्छा

तिल में मौजूद हेल्दी फैट्स और एंटीऑक्सीडेंट्स खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करते हैं। इससे दिल की सेहत बेहतर रहती है और हार्ट से जुड़ी समस्याओं का खतरा कम हो सकता है।

पाचन तंत्र को करता है मजबूत

तिल में मौजूद फाइबर पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में मदद करता है। यह कब्ज जैसी समस्याओं को कम करता है और पेट को साफ रखने में सहायक होता है।

त्वचा और बालों के लिए भी लाभकारी

तिल के एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को निखार देने और बालों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। यही वजह है कि कई स्किन और हेयर केयर प्रोडक्ट्स में भी तिल का उपयोग किया जाता है। छोटे दिखने वाले तिल के बीज वास्तव में सेहत का बड़ा खजाना हैं। इन्हें संतुलित मात्रा में अपने दैनिक आहार में शामिल करके शरीर को कई तरह के फायदे मिल सकते हैं।

बार-बार जम्हाई आना हो सकता है गंभीर बीमारी का संकेत

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जम्हाई आना एक आम बात मानी जाती है। अक्सर लोग इसे नींद की कमी, थकान या बोरियत से जोड़कर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कई बार यही साधारण सी लगने वाली जम्हाई शरीर के अंदर छिपी किसी गंभीर समस्या का संकेत भी हो सकती है? अगर आपको बिना किसी स्पष्ट वजह के बार-बार जम्हाई आने लगे, तो यह सिर्फ थकान नहीं बल्कि शरीर के अंदर चल रही गड़बड़ी का इशारा हो सकता है। आइए जानते हैं इसके पीछे छिपे कारण और कब आपको सतर्क हो जाना चाहिए।

दिमाग से जुड़ी समस्याओं का संकेत

लगातार और अनियंत्रित जम्हाई कई बार न्यूरोलॉजिकल यानी दिमाग से जुड़ी बीमारियों से जुड़ी हो सकती है। यह स्थिति मिर्गी, आघात या ब्रेन में चोट जैसी समस्याओं से संबंधित हो सकती है। कुछ मामलों में यह फ्रंटल लोब सीजर का हिस्सा भी हो सकती है, जिसमें दिमाग का एक हिस्सा असामान्य रूप से सक्रिय हो जाता है। ऐसे में शरीर बार-बार जम्हाई लेने लगता है क्योंकि दिमाग के सामान्य कार्य प्रभावित होने लगते हैं।

ऑटोनॉमिक नर्वस सिस्टम में गड़बड़ी

जम्हाई का संबंध सिर्फ दिमाग से ही नहीं, बल्कि शरीर के स्वतंत्र तंत्रिका प्रणाली से भी होता है। यह सिस्टम दिल की धड़कन, ब्लड प्रेशर और पाचन जैसी प्रक्रियाओं को नियंत्रित करता है। जब इसमें असंतुलन आता है, तो बार-बार जम्हाई आ सकती है। रिसर्च के अनुसार, जम्हाई के दौरान शरीर का पैरासिम्पेथेटिक सिस्टम अधिक सक्रिय हो जाता है, जिससे शरीर रिलैक्स मोड में चला जाता है।

दिमाग के तापमान से जुड़ा संबंध

कुछ वैज्ञानिक मानते हैं कि जम्हाई का संबंध दिमाग के तापमान को नियंत्रित करने से भी होता है। जब दिमाग गर्म होने लगता है, तो जम्हाई के जरिए ठंडी हवा अंदर जाती है, जिससे दिमाग को ठंडा करने में मदद मिलती है। हालांकि, यह सिद्धांत अभी भी शोध का विषय है।

कब सतर्क होना जरूरी है?

हर बार जम्हाई आना किसी बीमारी का संकेत नहीं होता।

अक्सर इसके पीछे ये सामान्य कारण हो सकते हैं

नींद की कमी होना।

ज्यादा काम या थकान

बोरियत या मानसिक थकावट

लेकिन अगर आपको ये लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत सावधान हो जाएं

बिना वजह बार-बार जम्हाई आना

चक्कर आना

कमजोरी महसूस होना

ध्यान लगाने में परेशानी

सोचने-समझने में बदलाव

ऐसी स्थिति में तुरंत डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

क्यों जरूरी है समय पर जांच?

अगर जम्हाई किसी गंभीर समस्या का संकेत है, तो समय रहते जांच और इलाज बहुत जरूरी हो जाता है। शुरुआत में ही ध्यान देने से बड़ी बीमारियों से बचा जा सकता है और स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखा जा सकता है। जम्हाई आना एक सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन जब यह बार-बार और बिना कारण होने लगे, तो इसे हल्के में लेना सही नहीं है। शरीर अक्सर छोटे-छोटे संकेतों के जरिए हमें बड़ी समस्याओं के बारे में पहले ही चेतावनी देता है। इसलिए अपनी सेहत को नजरअंदाज न करें और किसी भी असामान्य लक्षण को समय रहते समझकर सही कदम उठाएं।

गले के कैंसर की शुरुआत किन वजहों से होती है?

5 कारण जरूर जानें

गले का कैंसर एक गंभीर बीमारी है जो धीरे-धीरे विकसित होती है। शुरुआत में इसके लक्षण सामान्य गले की समस्या जैसे लगते हैं, इसलिए लोग अक्सर इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन अगर समय रहते इसके संकेत पहचान लिए जाएं, तो इलाज आसान हो सकता है और बीमारी को गंभीर होने से रोका जा सकता है।

गले में कैंसर कैसे शुरू होता है?

गले का कैंसर तब शुरू होता है जब गले की कोशिकाएं असामान्य तरीके से बढ़ने लगती हैं। यह स्थिति लंबे समय तक गले में जलन, संक्रमण या लगातार नुकसान की वजह से विकसित हो सकती है। शुरुआत में यह समस्या साधारण इंफेक्शन जैसी लगती है, लेकिन धीरे-धीरे गंभीर रूप ले सकती है।

लगातार गले में खराश रहना

अगर गले में खराश या दर्द 2-3 हफ्ते से ज्यादा समय तक बना रहे, तो इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। आमतौर पर लोग इसे सामान्य सर्दी-खांसी समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यह शुरुआती संकेत हो सकता है।

आवाज में बदलाव आना

गले के कैंसर की शुरुआत में आवाज भारी या बदल जाती है। यह बदलाव लंबे समय तक बना रहता है और दवा लेने के बाद भी ठीक नहीं होता। अगर आवाज लगातार बदल रही हो, तो डॉक्टर से जांच कराना जरूरी है।

गर्दन या गले में गांठ बनना

गले या गर्दन में किसी भी तरह की सूजन या गांठ का बनना चिंता का विषय हो सकता है। अगर यह गांठ समय के साथ कम न हो और लगातार बनी रहे, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

खांसी में खून आना

अगर खांसी के दौरान खून आने लगे, तो यह एक गंभीर संकेत हो सकता है। गले में दर्द के साथ खून आना सामान्य बात नहीं है और तुरंत मेडिकल जांच की जरूरत होती है।

गले में लगातार जलन या असहजता

गले में लंबे समय तक जलन, खिंचाव या कुछ अटका हुआ महसूस होना भी शुरुआती लक्षणों में शामिल हो सकता है। यह समस्या लगातार बनी रहे तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है?

गले के कैंसर के शुरुआती लक्षण अक्सर सामान्य बीमारियों जैसे लगते हैं, इसलिए लोग इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन अगर कोई भी लक्षण लंबे समय तक बना रहे, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। गले का कैंसर धीरे-धीरे बढ़ने वाली बीमारी है, लेकिन इसके शुरुआती संकेतों को पहचानकर समय पर इलाज शुरू किया जा सकता है। लगातार गले में परेशानी, आवाज में बदलाव या गांठ जैसे लक्षणों को कभी भी नजरअंदाज न करें और तुरंत विशेषज्ञ से जांच करवाएं।

सिगरेट की कश कहीं ले न ले आपकी जान, एक्सीडेंट और हार्ट अटैक से ज्यादा स्मोकिंग से मर रहे लोग

धूम्रपान वास्तव में बहुत हानिकारक है। यह बात ज्यादातर लोग जानते हैं। यहां तक ??कि धूम्रपान करने वाले भी मानते हैं कि धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। लेकिन ज्यादातर लोग यह नहीं जानते कि यह कितना नुकसानदायक है। हर साल धूम्रपान से मरने वालों की संख्या शराब, मादक पदार्थों के सेवन, कार दुर्घटनाओं, आत्महत्याओं और हत्याओं से होने वाली कुल मौतों की संख्या से कहीं अधिक है। डॉक्टरों और स्वास्थ्य संगठनों के अनुसार, इसके सेवन से हर साल लाखों लोगों की जान चली जाती है। इसके बावजूद, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा और खैनी जैसी आदतें कई देशों में आम बनी हुई हैं।

सिगरेट क्यों है इतना खतरनाक-सिगरेट में निकोटिन और कई जहरीले रसायन होते हैं जो शरीर के लगभग हर अंग को नुकसान पहुंचाते हैं। यह धीरे-धीरे शरीर को अंदर से कमजोर करता है और कई गंभीर बीमारियों का कारण बनता है। सिगरेट के सेवन से फेफड़ों का कैंसर, मुंह का कैंसर, गले का कैंसर और अन्य कई प्रकार के कैंसर होने का खतरा बहुत बढ़ जाता है। यह ब्लड वेसल्स को नुकसान पहुंचाता है, जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। सिगरेट से क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस और सीओपीडी जैसी गंभीर सांस की बीमारियां हो सकती हैं, जिससे सांस लेना मुश्किल हो जाता है। मुंह में संक्रमण, दांतों का पीला पड़ना और मसूड़ों की बीमारी भी तंबाकू का बड़ा असर है।

पैसिव स्मोकिंग भी है खतरनाक - सिर्फ सिगरेट पीने वाला ही नहीं, बल्कि उसके आसपास रहने वाले लोग भी सेकेंड हैंड स्मोक के कारण प्रभावित होते हैं। बच्चों और गर्भवती महिलाओं पर इसका असर और भी गंभीर हो सकता है। सिगरेट छोड़ना आसान नहीं होता, लेकिन संभव जरूर है। इसके लिए काउंसलिंग और मेडिकल सहायता, निकोटिन रिप्लेसमेंट थेरेपी, परिवार और समाज का समर्थन बहुत मददगार हो सकता है।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com